हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 300 | प्रयागराज, सोमवार 13 फरवरी , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

महमूद मदनी के बयान को गंभीरता से ले हिन्दू : महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी

गाजियाबाद। जमीयत उलेमा–ए–हिंद के 36 वें अधिवेशन में अरशद मदनी के दिए बयान ने अब तूल पकड़ लिया है। मदनी के बयान पर डासना मन्दिर महंत महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने कड़ी नारजगी जताई है। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज ने महमूद मदनी के बयान पर एक वीडियो बनाकर अपना भी बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि महमूद मदनी के बयान को गंभीरता से ले हिन्दू वरना इस समाज के शीघ्र नष्ट होने में कोई संशय नहीं रह जायेगा। उन्होंने कि हमूद मदनी का यह बयान की इस्लाम दुनिया का सबसे पुराना धर्म है। यह उनकी मानसिक विकलांगता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मदनी धर्म का अर्थ नहीं जानते। अगर वो धर्म का अर्थ जानते या समझते तो उन्हें पता होता कि इस्लाम कोई धर्म है ही नहीं बल्कि संगठित अपराधियों का एक गिरोह है। जो बड़ी निर्ममता के साथ गैर मुस्लिमों की हत्या करके उनकी औरतो सहित उनकी जमीनों जायदाद व धन संपत्ति को छिन लेता है। यति नरसिंहानंद गिरी ने भारत से जोड़ने के महमूद मदनी के बयान को सिरे से खारिज

कर दिया। उन्होंने कहा कि निहितार्थ को समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि महमूद मदनी का यह बयान उनके खतरनाक इरादों को बताता है कि वो भारतवर्ष को अब अपने शिकंजे में जकड़ने की तैयारी पूरी कर चुके हैं। हिन्दू समाज को महमूद मदनी के इस बयान को गम्भीरता से लेना चाहिये। उन्होंने हिन्दुओ को नसीहत देते हुए कहा कि हिन्दुओं को समझ लेना चाहिये कि हिन्दुओं के जो नेता,धर्मगुरु और संगठन महमूद मदनी के बयान तक का विरोध नहीं कर पा रहे हैं, वो इस्लाम के खूनी शिकंजे से देश और हिन्दू समाज को कैसे बचा सकेंगे? हिन्दू नेताओ,धर्मगुरुओं और संगठनों की चुप्पी यह दर्शा रही है कि ये सब इस्लाम के जिहाद के समक्ष दयनीय समर्पण कर चुके हैं। अब हिन्दू समाज स्वयं ही अपने आप को बचाने के लिये खड़ा हो वरना इस समाज के शीघ्र नष्ट होने में कोई संशय नहीं रह जायेगा। दरअसल, प्रतिष्ठित मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा–ए–हिंद (एमएम समूह) के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने शनिवार को दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं और सरकार तथा प्रशासन को जिस तरह कार्रवाई करनी चाहिए थी, नहीं की। उन्होंने कहा, इस तरह की घटनाओं के खिलाफ " हम आवाज भी उठाएंगे और लड़ाई भी लड़ेंगे।" मदनी ने यह भी कहा कि अल्पसंख्यकों का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा बहुसंख्यकों से कोई धार्मिक या नस्ली द्वेष नहीं है। उन्होंने देश को महाशक्ति बनाने के लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत को "आपसी बैर और दुश्मनी" को भुलाकर एक–दूसरे से 'गले मिलनेश का न्योता दिया। मदनी ने यह भी कहा कि अल्पसंख्यकों का आरएसएस और भाजपा से सिर्फ विचारधारा को लेकर मतभेद है।

भगत सिंह कोश्यारी की जगह रमेश बैस बने महाराष्ट्र के नए राज्यपाल

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को उनके इस्तीफे को स्वीकार कर लिया और उनके स्थान पर रमेश बैस को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। श्रीमती मुर्मू ने रमेश बैस को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया है। श्री बैस इससे पहले झारखंड के राज्यपाल थे।

राष्ट्रपति ने श्री कोश्यारी के साथ ही लद्दाख के उपराज्यपाल राधा कृष्णन माथुर का इस्तीफा भी मंजूर कर लिया गया है। इनके अलावा राष्ट्रपति ने 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में बड़ा फेरबदल किया है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के छत्रपति शिवाजी महाराज और अन्य महान व्यक्तित्वों पर उनकी टिप्पणी पर हालिया उपजे विवाद के बाद विपक्षी दलों ने श्री कोशियारी के इस्तीफे की मांग की थी। राज्य में शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सहित महाराष्ट्र के विपक्षी दलों ने उनकी विवादास्पद टिप्पणियों के लिए उनके इस्तीफे की मांग की थी।

नहीं रहे मशहूर सिने इतिहासकार शरद दत्त

नई दिल्ली। प्रख्यात सिने इतिहासकार, एवं दूरदर्शन उद्घोषक शरद दत्त का आज यहां सुबह अस्पताल में निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे और गले में कैंसर से पीड़ित थे।

उनकी कोई संतान नहीं थी। वह वर्षों पहले पत्नी से अलग होने के बाद एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे थे। श्री दत्त दिल्ली दूरदर्शन में उपनिदेशक पद से अवकाश ग्रहण करने के बाद एक टी वी चौनल में शीर्ष पद पर थे।

पुराने जमाने के पार्श्व गायक एवम अभिनेता कुंदन लाल सहगल, मशहूर संगीतकार अनिल विश्वास और गीतकार साहिर लुधियानवी की उन्होंने जीवनियां लिखी थी। वह हिंदी सिनेमा के चलते फिरते कोश थे और नेशनल फिल्म ज्यूरी के सदस्य भी थे। उन्होंने नूरजहां कुंदन लाल सहगल नौशाद ,मुकेश दिलीप कुमार सलिल चौधरी अमिताभ बच्चन पर वृतचित्र भी बनाया था। उन्होंने डिस्कवरी ऑफ इंडिया पर भी एक वृतचित्र बनाया था। इसके अलावा खुशवंत सिंह के साथ भी एक डॉक्यूमेंट्री बनाई थी। प्रख्यात फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार खय्याम, सागर सरहदी । नीरज नौशाद आदि से उनकी गहरी मित्रता थी। उन्हें फिल्म लेखन के लिए दो बार राष्ट्रपति के हाथों स्वर्ण कमल सम्मान मिला था। वे करीब सौ चर्चित डॉक्यूमेंट्रीज के निर्माता थे।

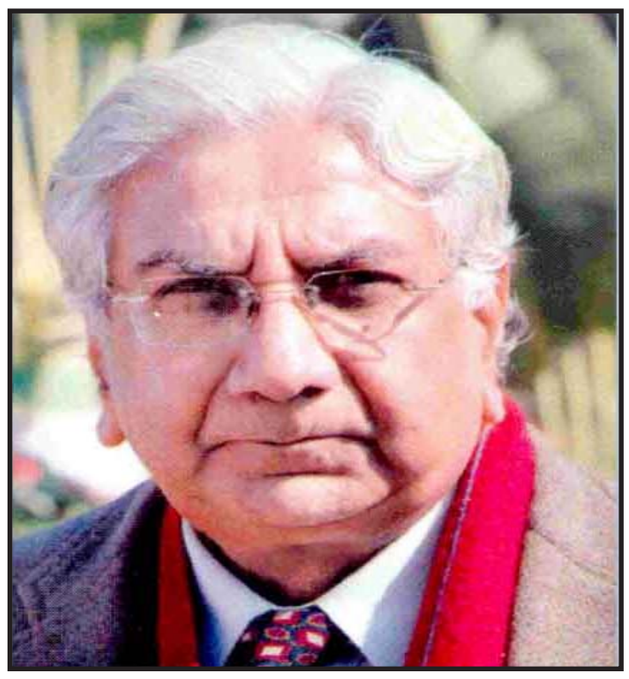

उनके निधन पर कई फिल्म समीक्षकों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। दूरदर्शन के पूर्व महानिदेशक एवम प्रसिद्ध लेखक लीलाधर मण्डलोई ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कुछ साल पहले उन पर एक किताब भी संपादित की थी। श्री मण्डलोई ने कहा कि श्री शरद दत्त के नहीं रहने से सिनेमा का जीता जागता इतिहास चला गया। फैज अहमद फैज ,अमृत राय, राही मासूम रजा, अख्तर इल उमान और श्रीलाल शुक्ल जैसी हस्तियों उन्होंने कार्यक्रम कर सांस्कृतिक पत्रकारिता को समृद्ध किया था।

राजस्थान में भाजपा के सबसे कद्दावर नेता गुलाब चंद कटारिया बने राज्यपाल, पार्टी को चुनना होगा नया नेता प्रतिपक्ष

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सबसे कद्दावर नेताओं में से एक गुलाबचंद कटारिया (78) को असम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद पार्टी को अब विधानसभा में नया नेता प्रतिपक्ष चुनना होगा। कटारिया को रविवार को असम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। फिलहाल राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष कटारिया आठवीं बार विधायक हैं और अपने लंबे राजनीतिक जीवन में वह गश्ह, शिक्षा, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रह चुके हैं। वह 2003 से लगातार उदयपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे हैं। एक बार सांसद भी निर्वाचित हो चुके हैं। शिक्षा में बी. एड व विधि स्नातक हैं। राज्यपाल नियुक्त किए जाने की घोषणा के बाद कटारिया ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्हें पहले इसकी कोई जानकारी नहीं थी। हालांकि परसों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी बात हुई थी। कटारिया ने कहा, "मुझे इसकी जानकारी नहीं थीकृ परसों प्रधानमंत्री जी ने फोन जरूर किया कि कैसे हैं, क्या चल रहा हैकृ बस इतना पूछाकृ इससे अधिक कोई

जानकारी नहीं थी।" इसके अलावा कटारिया ने कहा कि उन्होंने कभी पार्टी से कोई पद नहीं मांगा, जो जिम्मेदारी दी गई उसे निभाया है। कटारिया राज्य के उदयपुर संभाग से आते हैं और राजनीतिक जानकारों के अनुसार इस साल के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उनके राज्यपाल बनने से पार्टी के राज्य संगठन को बड़ा संकेत मिला है। इस समय राज्य विधानसभा का बजट सत्र जारी है और नेता प्रतिपक्ष के रूप में कटारिया अगले सप्ताह बजट भाषण पर चर्चा में भाग ले सकते थे। हालांकि इस नए घटनाक्रम के बाद पार्टी को नया नेता प्रतिपक्ष चुनना होगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। मौजूदा 15वीं राजस्थान विधानसभा का कार्यकाल इस साल के आखिर तक है। उल्लेखनीय है कि सदन में उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ हैं।

भाजपा जांच से भाग रही अडाणी मुद्दे को लेकर आप का मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने हिंडनबर्ग शोध रिपोर्ट में अडाणी समूह के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों की जांच की मांग को लेकर रविवार को यहां भाजपा मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने कहा कि विभिन्न दलों के सदस्यों वाली एक संयुक्त संसदीय समिति को मामले की जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''भाजपा जांच से भाग रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ही एक मात्र नेता हैं जो किसी भी जांच से नहीं डरते। अमेरिका की वित्तीय शोध कंपनी 'हिंडनबर्ग रिसर्चश द्वारा गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले समूह पर फर्जी लेनदेन और शेयर की कीमतों में हेरफेर सहित कई गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद समूह के शेयर की कीमतों में गिरावट आई है। व्यावसायिक समूह ने आरोपों को झूठ बताया है। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि अडाणी समूह के शेयरों में गिरावट एक घोटाला है जिसमें आम लोगों का पैसा शामिल है क्योंकि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने उनमें (अडाणी समूह में) निवेश किया है।

विकास की पटरी पर चल रहा है भारत, महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत पूरे स्वाभिमान के साथ अपनी विरासत पर गर्व रहा है और इस बात पर जोर दे रहा है कि वह आधुनिकता लाने के साथ ही अपनी परंपराओं को मजबूत करेगा। मोदी ने यह भी कहा कि देश की नीतियों और प्रयासों में कोई भेदभाव नहीं है और इसका उद्देश्य गरीबों, पिछड़ों तथा वंचितों की प्राथमिकता के साथ सेवा करना है। मोदी ने समाज सुधारक एवं आर्य समाज के संस्थापक दयानंद सरस्वती के 200वें जयंती समारोह का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। प्रधानमंत्री ने जयंती समारोह के 'लोगो का भी अनावरण किया। उन्होंने कहा कि भारत पर्यावरण के क्षेत्र में दुनिया को रास्ता दिखा रहा है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यह गर्व की बात है कि भारत इस साल जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। मोदी ने कहा, देश आज पूरे स्वाभिमान के साथ अपनी विरासत पर गर्व कर रहा है। देश पूरे आत्मविश्वास के साथ कह रहा है कि हम आधुनिकता लाते हुए अपनी परंपराओं को मजबूत करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश 'विरासत और 'विकास की पटरी पर चल रहा है। मोदी ने कहा कि जब वह 'कर्तव्य

पथ पर चलने की बात करते हैं तो कुछ लोग कहते हैं कि वह कर्तव्य की बात करते हैं, लेकिन अधिकार की नहीं। उन्होंने कहा, 'अगर 21वीं सदी में मेरे साथ ऐसा है तो सोचिए कि 150 साल पहले समाज को रास्ता दिखाने में स्वामी दयानंद को किस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ा होगा। मोदी ने कहा, 'महर्षि दयानंद सरस्वती द्वारा दिखाया गया मार्ग करोड़ों लोगों में आशा जगाता है। मोदी ने इस मौके को ऐतिहासिक बताया और कहा कि यह मानवता के भविष्य के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती भारत की महिलाओं के सशक्तीकरण की आवाज बने और उन्होंने सामाजिक भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ एक मजबूत अभियान चलाया। मोदी ने कहा कि आज देश की बेटियां सियाचिन में तैनात होने से लेकर राफेल लड़ाकू विमान उड़ाने तक प्रमुख भूमिकाएं निभा रही हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि 1824 में जन्मे महर्षि दयानंद सरस्वती ने अपने समय की सामाजिक असमानताओं से निपटने के लिए आर्य समाज की स्थापना की थी। इसने कहा कि आर्य समाज ने सामाजिक सुधारों और शिक्षा पर जोर देकर देश की सांस्कृतिक एवं सामाजिक जागशति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बयान में कहा गया कि सरकार समाज सुधारकों और महत्वपूर्ण हस्तियों, विशेष रूप से उन लोगों को सम्मानित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिनके योगदान को अभी तक अखिल भारतीय स्तर पर उपयुक्त श्रेय नहीं दिया गया है।

अल्लाह और ओम एक, अरशद मदनी के बयान पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के मंच पर बवाल अन्य धर्मगुरु हुए नाराज

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में जमीयत उलेमा–ए–हिंद के अधिवेशन में मंच पर उस समय बवाल हो गया जब मौलाना अरशद मदनी की बात सुन जैन और कई दूसरे धर्मगुरु वहां से चले गए। मौलाना अरशद मदनी ने मोहन भागवत की आलोचना करते हुए कहा कि अल्लाह और ओम एक हैं, इस पर जैन गुरु लोकेश मुनि ने आपत्ति जताई, जिसके बाद जैन और अन्य धर्मगुरुओं ने मंच छोड़ दिया। जमीयत उलेमा–ए–हिंद के 34वें अधिवेशन में मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान गलत था, अल्लाह और ओम एक हैं। इससे पहले शनिवार को मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि अल्लाह के पहले पैगम्बर का जन्म यहीं हुआ था और यह" मुसलमानों का पहला वतन" है। मदनी ने साथ में यह भी कहा कि यह देश जितना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत का, उतना ही उनका भी है। उन्होंने यह दावा भी किया कि देश में पिछले कुछ वर्षों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ

हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं और सरकार तथा प्रशासन को जिस तरह कार्रवाई करनी चाहिए थी, नहीं की। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं के खिलाफ" हम आवाज भी उठाएंगे और लड़ाई भी लड़ेंगे।" मदनी ने कहा कि अल्पसंख्यकों का आरएसएस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा बहुसंख्यकों से कोई धार्मिक या नस्ली द्वेष नहीं है। उन्होंने देश को महाशक्ति बनाने के लिए संघ प्रमुख भागवत को "आपसी बैर और दुश्मनी" को भुलाकर एक–दूसरे से 'गले मिलनेश का न्योता दिया। मदनी ने कहा कि अल्पसंख्यकों का आरएसएस और भाजपा से सिर्फ विचारधारा को लेकर "मतभेद है, न कि मनभेद है। उन्होंने कहा कि हमें हिंदू धर्म के प्रचार से कोई शिकायत नहीं है और आपको भी इस्लाम के प्रचार से कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए।" मदनी ने कहा कि देश में अगर कोई घटना होती है, तो उसे पूरे समाज या देश का आईना नहीं बताया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुसंख्यकों का बड़ा तबका मुसलमानों के साथ खड़ा होने को तैयार है और बहुत कम संख्या में ऐसे लोग हैं, जो "दुश्मनी पर आमादा" हैं और "नफरत फैला" रहे हैं। मदनी ने कहा कि दलितों, अल्पसंख्यकों, खासकर मुसलमानों पर होने वाले हमले और मॉब लिंचिंग की घटनाएं, बिना शक बेहद अफसोसनाक और मुल्क के लिए शर्मनाक हैं।

अतिक्रमण रोधी मुहिम पर राहुल गांधी का तंज, कहा,जम्मू कश्मीर ने रोजगार, प्यार चाहा था लेकिन मिला भाजपा का बुलडोजर

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जम्मू–कश्मीर में जारी अतिक्रमण रोधी मुहिम को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर रविवार को निशाना साधते हुए कहा कि केंद्रशासित प्रदेश ने रोजगार, बेहतर कारोबार और प्यार चाहा था, लेकिन उसे इसके बजाय ''भाजपा का बुलडोजर मिला। कांग्रेस, कांफ्रेंस और पीडीपी (पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) जैसे कई बड़े दलों ने इस मुहिम को लेकर चिंता व्यक्त की है और इसे तत्काल रोकने की मांग की है। राजस्व विभाग के आयुक्त सचिव विजय कुमार बिधूड़ी ने सात जनवरी को सभी उपायुक्तों को सरकारी भूमि से अतिक्रमण शत प्रतिशत हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद से जम्मू कश्मीर में 10 लाख कनाल से अधिक जमीन अतिक्रमण से मुक्त करायी गयी है। गांधी ने ट्वीट किया, 'जम्मू कश्मीर को चाहिए रोजगार, बेहतर व्यापार और प्यार, मगर उन्हें मिला क्या? भाजपा का बुलडोजर। उन्होंने कहा, ''कई दशकों से जिस जमीन को वहां के लोगों ने मेहनत से सींचा, उसे उनसे छीना जा रहा है। अमन और कश्मीरियत की रक्षा, जोड़ने से होगी, तोड़ने और लोगों को बांटने से नहीं। गांधी ने ट्वीट के साथ मीडिया की खबर भी संलग्न की, जिसमें दावा किया गया है कि जम्मू कश्मीर में अतिक्रमण रोधी अभियान को लेकर लोगों में घबराहट है।

कई आक्रमण झेल चुका है सप्तकोटेश्वर मंदिर, पीएम मोदी बोले-युवाओं को आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ेगा यह देवस्थान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऐतिहासिक श्री सप्तकोटेश्वर मंदिर के जीर्णोद्धार पर गोवा सरकार को बधाई देते हुए कहा कि यह मंदिर युवाओं को आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ेगा और इससे राज्य में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने पणजी से 35 किलोमीटर दूर उत्तर गोवा जिले के नार्वे गांव में छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा तीन शताब्दी पहले बनवाए गए मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य पूरा होने के बाद शनिवार को इसका उद्घाटन किया। गोवा सरकार के पुरालेख एवं पुरातत्व विभाग ने मंदिर का जीर्णोद्धार कराया है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ''बिचोलिम के नार्वे में स्थित पुनर्निर्मित श्री सप्तकोटेश्वर देवस्थान हमारे युवाओं को हमारी आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ेगा। इससे गोवा में पर्यटन को और बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने भी जीर्णोद्धार के बाद ऐतिहासिक मंदिर को फिर से खोलने पर गोवा सरकार को बधाई दी। उन्होंने कहा, ''कई आक्रमणकारियों के हमलों के बाद छत्रपति शिवाजी महाराज ने मंदिर का पुनर्निर्माण कराया था। एक बड़े तीर्थ स्थान के रूप में यह भारत भर से पर्यटकों को आकर्षित करेगा। प्रधानमंत्री के ट्वीट के जवाब में सावंत ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी इस अमृतकाल में आपके लगातार सहयोग से गोवा सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों को विकसित एवं प्रोत्साहित करने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि राज्य में पर्यटन को और बढ़ावा मिल सके।

सम्पादकीय

इंसान हों या जानवर- आशियाना सबको चाहिए

अपनी सुरक्षा के लिए और रहने के लिए इंसान घर की कल्पना करते हुए इसे साकार करता है, तो जानवर भी अपने ठिकाने सुरक्षित चाहते हैं और जब जानवरों के ठिकाने सुरक्षित नहीं रहते तो वह शहर की तरफ रुख करते हैं। अभी दो दिन पहले गाजियाबाद जिला कोर्ट में एक तेंदुआ दोपहर को घुस आया और आनन–फानन में उसने 10 लोगों को घायल कर दिया। हालांकि वन विभाग और पुलिस की टीमों ने मिलकर कड़ी मशक्कत के बाद तेंदुए को पकड़ लिया, जिसे बाद में शिवालिक की पहाड़ियों में छोड़ दिया गया। यह घटना अपने आप में बहुत बड़ा संदेश दे रही है, जो जानवरों से जुड़ी है, जंगली जानवर चाहे तेंदुआ, शेर हो, या फिर नीलगाय हो अक्सर उनके शहरों में आ जाने की खबरें एक बड़ा संदेश देकर जा रही हैं। आखिरकार ये जंगली जानवर शहरों में आ रहे हैं और इनकी एंट्री मानव के लिए खतरा बन रही है, तो हमें कुछ न कुछ करना ही होगा। पिछले दिनों इस मामले पर अनेक लोगों ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। शहर में तेंदुआ आ जाने की खबर साधारण नहीं है, बहुत चौंकाने वाली बात है। अब समय आ गया है कि जंगल जितनी तेजी से खत्म हो रहे हैं, इस विषय पर कुछ करना होगा। जंगल खत्म हो रहे हैं। जानवरों के प्राकृतिक ठिकाने खत्म हो रहे हैं, तो ऐसे में उनका शहरों में प्रवेश करना मानवीय जीवन में अतिक्रमण जैसा है। इसी कड़ी में अगर बंदरों की बात की जाए तो दिल्ली के अनेक वीआईपी इलाकों में यहां तक कि लुटियन जोन में बंदरों के झुंड बैठे रहते हैं। रिज एरिया बंदरों का सबसे बड़ा जंगल है लेकिन वहां भी सड़कों पर बंदरों का जमावड़ा रहता है। और कई दुर्घटनाओं के बारे में सुर्खियां बनती रहती हैं। लोगों का धार्मिक महत्व अलग बात है, जबकि मानवीय सुरक्षा भी बहुत जरूरी है, हमें इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे और वन विभाग की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि उसके पास जानवरों के विशेष रूप से शेर या तेंदुए के गायब हो जाने का पूरा रिकार्ड होना चाहिए। ताकि जिस इलाके में जानवर भागा है वहां के लोगों को सतर्क किया जा सके। सवाल यह है कि जीवों की सुरक्षा भी मानव का ही धर्म होना चाहिए। यद्यपि केन्द्र सरकार हो या राज्य सरकारें या उनके घ्वन विभाग वे अलर्ट तो हैं लेकिन यह भी सच है कि जंगली जानवरों के घ्शहरों में घुसने की घटनाएं भी ज्यादा बढ़ रही है। इसी साल जनवरी 2023 में भोजपुर के दिल्ली–मेरठ एक्सप्रैस–वे पर तेंदुआ दिखा था, वह एक व्हीकल से टकरा कर मारा गया। 2022 में उत्तराखण्ड के तीन नगरों में तेंदुए के घुसने की खबर आई। 2021 में मंसूरी स्थित गंग नहर घ्के किनारे तेंदुआ देखा गया था। वह कहां गया इसके बारे में किसी विभाग ने स्पष्ट नहीं किया। इसी कड़ी में वर्ष 2020 में राजनगर सैक्टर–10 में एक तेंदुआ देखा गया था। हिमाचल के अनेक नगरों में जंगलों में रहने वाले तेंदुए और अन्य जंगली जानवर गांव में रहने वाले पालतू पशुओं को अपना शिकार बनाते रहते हैं।

मूल राष्ट्रवादी चिंतन की आवश्यकता,अधिनायकवाद बढ़ने के खतरे से रहे सतर्क

राष्ट्रवाद सार्वभौमिक सत्य है। राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रवाद की भूमिका हमेशा अति महत्वपूर्ण रही है। देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी भी है कि उसकी राष्ट्र के प्रति गहरी निष्ठा,समर्पण हो, पर इसका कतई आशय नहीं है की सत्ता लोलुप राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रवाद को धर्म संप्रदाय से जोड़कर सत्ता हथियाने का अवसर या अस्त्र बनाने का प्रयास करें, निसंदेह इस बात से राष्ट्रीय भावना विखंडित,आहत होती है। ऐतिहासिक तौर पर लगातार सत्ता पर बने रहने के लालच से कोई भी राजा सम्राट अथवा बादशाह परे नहीं रहा हैस वर्तमान परिदृश्य में राजनीतिक पार्टी के नेता भी सत्ता लोलुपता से परे नहीं है, इस संदर्भ में कई बार राष्ट्रवाद को धर्म से जोड़कर भावनात्मक तरीके से इसे सत्ता प्राप्ति का अस्त्र तथा अवसर बनाकर उपयोग किया जाता रहा है। सत्ता सदैव परिवर्तनशील होती रहनी चाहिए, यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को और मजबूत बनाती हैस लगातार सत्ता किसी भी सत्ताधीश को निरंकुश बनाकर अधिनायकवाद के बीज को रोपित करती है देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण, अब परिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं का परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्क बुद्धि एवं और दूरदर्शिता के कारण कई बार जनता के दूरगामी लाभ के स्थान पर तात्कालिक लाभ की प्रक्रिया से अवसरवादी अभिमत तथा तुष्टीकरण की नीति से जनता के लाभ के अवसर को दूर ले जाते हैं,राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवश्त्ति जनता को तुरंत लाभ देने की सर दूरदर्शन नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है एवं इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती हैस जनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर शोषण करना अंततः राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा चरित्र को जन्म देती हैस अवतारवाद राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव आशीर्वाद तथा पद लोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने सदस्य है यह अलग मुद्दा है कि जन भावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकते और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पद लोलुपता अवसरवादी ता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती हैंस भारतीय परंपरा में भी शाम दाम दंड भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है पर इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ–साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैंस यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं, और यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत चले जाते हैंस लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैंस अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है। भारतीय संविधान में भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के छोटे–छोटे छिद्रों से राजनीतिक दल अवसर के जो ताने बाने बुनते हैं उससे राजनैतिक एवं ऐतिहासिक प्रति मानव को हमेशा नुकसान ही हुआ है। अब राजनीति में सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बहुत निम्न स्तर पर पहुंच गई है जिससे लोकतांत्रिक नीतियों और सिद्धांतों मैं बहुत ज्यादा विसंगतियां पैदा हो चुकी हैं। लोकतंत्र में बहुमत के साथ अधिनायकवाद अवतारवाद सत्ता लोलुपता और जातिगत समीकरणों का गलत तरीके से उपयोग सामंतवादी आ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को जन्म दे सकता है। जातिवादी मतदान की लोकप्रियता वादी मजबूरी के कारण खाप पंचायतों का उदय हुआ है जो पंचायती लोकतंत्र को प्रतिस्थापित कर के मूलभूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के पतन का कारण भी बन सकता है। ध र्म तथा धार्मिक प्रथाओं में समानता एवं स्वतंत्रता का हनन धार्मिक लोकतंत्र के अंत का ही स्वरूप है, जिसका कारण तुष्टीकरण आधारित लोकप्रियता वाद एवं अवतारवाद हो सकता है। पशु व्यापार गोवंश के पद पर एकतरफा प्रतिबंध को भी भारतीय लोकतंत्र के समानता स्वतंत्रता एवं धर्मनिरपेक्षता के आदेशों पर एक नकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। अवतारवाद जातिवादी राजनीति और पद लोलुपता तानाशाही प्रवश्त्ति को जन्म दे सकते हैं। अति राष्ट्रवादी होने के स्वरूप को ऑन कर तानाशाही की प्रवश्त्ति को आम जनता के ऊपर लागना सैनिक तानाशाही अधिनायकवाद तथा फासीवाद को भी जन्म देने की प्रक्रिया के अंग हैं। लोकतंत्र में राजशाही की तरह शासकीय धन का मनमाना दुरुपयोग एक अनैतिकग प्रक्रिया है एवं यह सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने का निम्न स्तरीय हथकंडा भी है। इससे न सिर्फ जनता पर करों का बोझ पड़ता है बल्कि सार्वजनिक रूप से किए जाने वाले जनहित के कार्यों का भीक अवरोध बन जाता है। चुनाव में मतदान को प्रभावित करने के लिए टीवी में मोबाइल फोन लैपटॉप आदि का प्रॉब्लम भी लोकप्रियता किंतु आर्थिक दूरदर्शी एवं लोकतांत्रिक न्याय के प्रतिकूल है। बीसवीं सदी के लगभग सभी थाना गांव द्वारा किस प्रकार के सैनिक राष्ट्रवाद द्वारा सस्ती लोकप्रियता पाकर लोकतंत्र को रोकने का प्रयास किया गया। पाकिस्तान म्यानमार उत्तर कोरिया देशों में व्यापक सुरक्षा हिंसा आतंकवाद पर नियंत्रण की लूट प्रिय तावादी धारणा का प्रयोग सैन्य प्रभाव को बरकरार रखने के लिए रो रहा है। लोकतंत्र का सदैव उद्देश्य तथा आदर्श जनता का समर्थन प्राप्त करना जनता किसानों की छांव की पूर्ति करना एवं जनता की हर सुविधा का ध्यान रखना है। पर देश का लोकतंत्र सत्ताचरिता, अवसरवादीता एवं एल्केन सत्तारूढ़ बने रहने की जुगत में क्षतिग्रस्त होता जा रहा है लोकतंत्र की भविष्य की संभावनाएं एवं उसके स्तंभ कमजोर होते जा रहे हैं ऐसे में देश के समृद्ध एवं प्रबुद्ध वर्ग को पहल करने आगे आना होगा वरना लोकतंत्र के दुरुपयोग के दूरगामी परिणाम विध्वंसकारी भी हो सकते हैं। पता अवसरवादी लोकप्रियता वादी विचारों के असंतुलित तात्कालिक लाभों के स्थान पर बहुआयामी लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही संतुलित विकास एवं समायोजन पर ध्यान देना चाहिए। परिणाम स्वरूप जनता ,सरकार ,राजनीतिक दल, मीडिया, सिविल सोसाइटी तथा अन्य सभी के हित की दृष्टि में बहुत ही व्यापक तथा दूरगामी परिणाम लाने वाले लोकतांत्रिक स्तंभ को एकजुट होकर सामाजिक संतुलन बनाए रखना होगा। एवं हम सभी के समेकित प्रयास से लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों एवं उसकी मूलभूत अवधारणाओं की रक्षा हो सकेगी। **–संजीव ठाकुर**

संसदीय प्रणाली मजबूत रहे

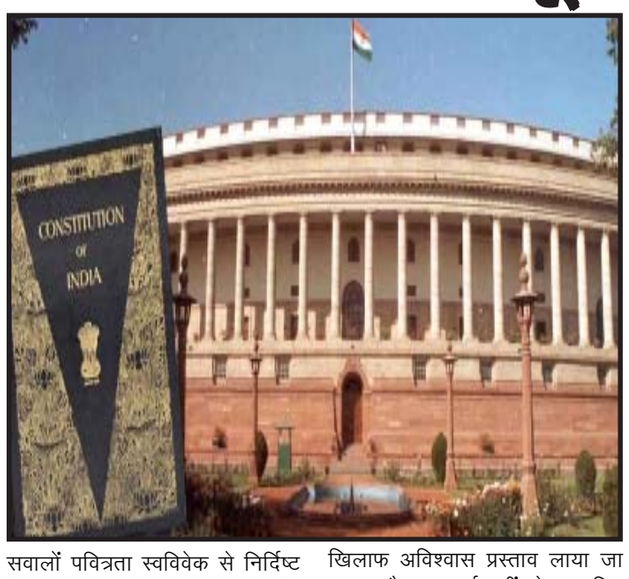

आजाद भारत ने जब संसदीय लोकतन्त्र की प्रणाली को अपनाया तो लक्ष्य बहुत स्पष्ट था कि इसके माध्यम से स्वतन्त्र देश के नागरिक अपने लिए अपनी ऐसी सरकार गठित कर सकें जो उनके ही प्रति उत्तरदायी हो। यह व्यवस्था राष्ट्रपति प्रणाली के लोकतन्त्र में संभव नहीं थी। अतः संसद में लोगों द्वारा चुने गये अपने प्रतिनिधि भेजकर उनमें से ही शासन करने वालों को चुनने की प्रणाली को अपनाया गया और सत्ता चलाने वालों को चुने हुए प्रतिनिधियों के प्रति जवाबदेह बनाया गया और इस प्रकार बनाया गया कि प्रत्येक चुना हुआ प्रतिनिधि सरकार की जवाबदेही तय करने में स्वयं में संप्रभु हो। संसद के जिस सदन में चुनकर वह प्रतिनिधि जाता है उसकी संप्रभुता भी हमारे संविधान निर्माता पुरखों ने इस प्रकार नियत की कि इसके भीतर की कार्यवाही सर्वदा संविधान के दायरे में ही रहे जिसके लिए संसद के दोनों सदनों के सभापतियों को कार्यवाही को सदैव संशय के किसी भी घेरे में आने से रोकने के लिए विशिष्ट कार्यपालक व न्यायिक अधिकार दिये गये। संसद सार्वभौम रहने के साथ जनता के प्रति सीधे जवाबदेह बनी रहे इसी वजह से इसमें चुनकर आने वाले प्रतिनिधियों को भी वे विशेषाधिकार दिये गये जिनके माध्यम से वे अपनी ही सरकार की जिम्मेदारी जनता के प्रति सुनिश्चित करा सकें और बिना किसी भय या लगाव के सीधे अपनी बात कह सकें। इन अधिकारों की व्याख्या सीधे संविधान के अनुच्छेद 105 में की गई और संसद के भीतर संसद सदस्य को पूर्णतः निडर व निर्भय बनाया गया। हालांकि बाद में 80 के दशक में जब दल–बदल विरोधी कानून बना तो सांसदों के कई अधिकारों से परोक्ष रूप से समझौते भी किये गये मगर इसके बावजूद संसद परिधि में सांसदों के वे मूल अधिकार आज भी सुरक्षित हैं जिनकी व्यवस्था अनुच्छेद 105 में की गई है। इनमें सबसे बड़ा अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का ही है जिसके अनुसार संसद के भीतर कोई भी सांसद (सत्ता या विपक्ष का) अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए खुद को मिली सूचनाओं व जानकारियों के आधार पर सरकार या सत्ता से सवाल कर सकता है। इसके समानान्तर इन सवालों की शुचिता बनाये रखने के लिए संविधान ने ही संसद के दोनों सदनों के सभापतियों को भी दोनों सदनों को चलाने के नियम तय करते समय ये अधिकार दिये कि वे पूछे गये सवालों पवित्रता स्वविवेक से निर्दिष्ट नियमावली के तहत माप सकते हैं। परन्तु किसी भी हालत में वे सत्ता या विपक्ष की जिम्मेदारी नहीं निभा सकते, उन्हें हर हालत में निष्पक्ष रहना होगा तटस्थ नहीं क्योंकि सदन चलाते समय वह न्यायाधीश की भूमिका भी निभाते हैं। उनका कोई भी फैसला सभी पक्षों को मान्य होता है, यदि तब भी किसी पक्ष को कोई शिकायत हो तो उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है। आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि भारत 1952 की पहली ही संसद में तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष श्री जी. वी. मावलंकर के विरुद्ध विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव यह जानते हुए ले आया था कि उस समय कांग्रेस के प्रबल बहुमत को देखते हुए उसे किसी भी कीमत पर पारित नहीं कराया जा सकता है। परन्तु वह समय नये भारत के नये सफर का था और तत्कालीन राजनैतिक नेता दुनिया को यह बताना चाहते थे कि भारत ही दुनिया का सबसे बड़ा संसदीय लोकतन्त्र है, अतः वह ऐसी स्वस्थ परंपराएं डाल रहे थे कि भारत की आने वाली पीढिध्यां उनका अनुसरण करते हुए इस प्रणाली को और मजबूत बनायें। मगर वर्तमान सन्दर्भों में संसद के भीतर जो कुछ भी चल रहा है उसके गफलत में पड़ने के संकेत भी जा रहे हैं जिनका निराकरण किया जाना बहुत जरूरी है क्योंकि इसके साथ भारत की अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा भी जुड़ी हुई है। भारत ऐसे जीवन्त लोकतन्त्र का देश माना जाता है जिसकी साख जमाने में हमें पूरी पौनी सदी लगी है। इसकी संसद के सदस्यों की पूरी लोकतान्त्रिक दुनिया में बहुत ऊंचा सम्मान है। यह बेवजह नहीं है कि जब भी कोई विपक्ष का सांसद विदेश दौरे पर जाता है तो वह वहां खड़े होकर अपने विरोधी दल की भारत में बनी सरकार की आलोचना भूलकर भी नहीं करता और केवल सरकार की नीतियों का ही गुणगान करता है क्योंकि विदेशों में न कोई मोदी सरकार होती है या मनमोहन सरकार होती है बल्कि केवल 'भारत' की सरकार होती है। हमारी संसदीय प्रणाली के भीतर भी यही गुण समाविष्ट है। संसद से बाहर हर सांसद केवल सांसद होता है और वह अपने चुनाव क्षेत्र के लाखों लोगों का प्रतिनिधि होता है फिर चाहे वह सत्तारूढ़ दल का हो अथवा विरोधी दल का। विचारणीय प्रश्न यह है कि लोकतन्त्र में हर पांच साल बाद चुनाव होते हैं (जरूरत पड़ने पर मध्यावधि चुनाव भी हो जाते हैं)। अतः राजनैतिक दलों में पाला बदल होता रहता है मगर इस वजह से संसद के नियम कभी नहीं बदलते हैं। इस बारे में हमें स्व. प्रधानमन्त्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की वह उक्ति हमेशा याद रखनी चाहिए कि पाला बदलने से खेल के नियम नहीं बदल जाते हैं। अतः अपने संसदीय लोकतन्त्र को मजबूत बनाने की हर संसद सदस्य की जिम्मेदारी भी होती है और अपने अधिकारों का इस्तेमाल करके वह इस जिम्मेदारी को ही पूरा करता है। जितनी यह प्रणाली मजबूत रहेगी उतना ही इसमें लोगों का विश्वास भी मजबूत रहेगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि संसद की इस प्रक्रिया में सरकार का कोई लेनादेना नहीं है क्योंकि सदनों के दोनों सभापतियों की अपनी स्वायत सत्ता होती है।

आज का राशिफल

मेष :– आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

वृषभ :– मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुन :– आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

कर्क :– कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंह :– आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्या :– आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

तुला :– व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिक :– आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

धनु :– गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

मकर :– व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख–शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभ :– आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीन :– लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

ग्लोबल समिट खोलेगी लाखों नौकरियों का रास्ता

राजधानी लखनऊ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन दिवसीय यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से विकास कर रही है। भारत की समृद्धि में दुनिया की समशद्धि निहित है। भारत के उज्ज्वल भविष्य में दुनिया के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी पड़ी है। नए भारत के लिए उत्तर प्रदेश आशा का केंद्र बन गया है। बीते कुछ वर्षों में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए उत्तर प्रदेश की जो पहल हैए उसके परिणाम नजर आ रहे हैं। बिजली से लेकर कनेक्टिविटी तक हर क्षेत्र में सुधार आया है। बहुत जल्द यूपी देश के उस इकलौते राज्य के तौर पर भी जाना जाएगा जहां पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं।डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से यूपी सीधे समुद्र से जुड़ रहा है। गुजरात और महाराष्ट्र के पोर्ट से कनेक्ट होता जा रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर सभी की निगाह टिकीं हुई हैं। इससे प्रदेश की छवि और आर्थिक गतिविधि में और भी तेजी देखने को मिलेगी। समिट के तीन दिन प्रदेश के विकास का एक नया अध्याय रचने जा रहे हैं। इसी के चलते इसकी थीम भारत का ग्रोथ इंजन रखी गई है। समापन अवसर में महामहिम राष्ट्रपति दोपद्री मुर्म के विचार भी प्रधानमंत्री से कुछ मिलते जुलते रहे साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत के तरक्की के रास्तें में उत्तर प्रदेश मील का पत्थर साबित होगा। यूपीजीआईएस में देश.दुनिया की दिग्गज कॉर्पोरेट हस्तियां उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने में साझीदार बना। समिट के माध्यम से 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश, जीआईएस में तीन दिनों में 34 सत्र में निवेशक सम्मेलन के दौरान विदेश की 304 कंपनियों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए`।इनमें यूएसए यूएई फ्रांसए दक्षिण अफ्रीकाए जर्मनीए बेल्जियमए दक्षिण कोरियाए कनाडाए नीदरलैंडए स्वीडनए मॉरीशसए ब्राजीलए मैक्सिकोए इजरायल व ऑस्ट्रेलिया की कंपनियां शामिल हैं। इससे यूपी को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में मदद मिलेगी। समिट में 41 देशों से 400 से अधिक प्रतिभागी शामिल रहे। इसके अलावा देश के विभिन्न हिस्सों से 10 हजार छोटे.निवेशक इस आयोजन का हिस्सा बनें। विदेश से भी 7.12 लाख करोड़ निवेश का। उम्मीद की जा सकती है कि इन्वेस्टर्स समिट से प्रदेश में समृद्धि बढ़ेगी।यूपी में विकास को नई उड़ान मिलेगी। आने वाले समय में यूपी में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंटए शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदलाव दिखाई देंगे। 30 लाख करोड़ के भारी निवेश विभिन्न क्षेत्रों में कम से कम तीस लाख प्रतिभावान युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे और लोगों की आमदनी भी बढ़ेगी। हालांकि रोजगार के आकड़ों को भारी भरकम कहा जा रहा है लेकिन केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी की घोषणा को देखा जाए तो उसके मुताबिक यूपी को तीन लाख नई बसे देगें। इस पर औसतन एक बस पर दो लोगो को रोजगार का अवसर मिलना देखे तो छह लाख लोगों को केवल नितिन गडकरी की घोषणा के अनुसार रोजगार के अवसर मिलेगें। वास्तव में देखा जाए तो उत्तर प्रदेश को नए भारत का ग्रोथ इंजन बनाने की कड़ी में राजधानी लखनऊ में आयोजित निवेशकों के तीन दिवसीय महाकुंभ में नया इतिहास लिखा जा चुका है। यूपीजीआइएस–23 के माध्यम से 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रस्तावित निवेश न सिर्फ उत्तर प्रदेश की आर्थिक विकास दर को गति देगा बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का जरिया बन युवाओं के सपनों को भी साकार करेगा। रिलायंस समूह के मुकेश अंबानी, टाटा संस के के चंद्रशेखरन, बिड़ला समूह के कुमार मंगलम बिड़ला, महिंद्रा ग्रुप के आनंद महिंद्रा जैसी हस्तियां निवेशकों का प्रतिनिधित्व करती नजर आई। देश–दुनिया के निवेशकों से मिले उत्साहजनक निवेश प्रस्तावों के दृष्टिगत सरकार को अपना लक्ष्य बढ़ाना पड़ा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही यह संकेत दे चुके हैं कि यूपीजीआइएस के माध्यम से प्राप्त होने वाला निवेश उत्तर प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के आंकड़े को पार करेगा। चालू वित्तीय वर्ष में यूपी का जीएसडीपी 20.48 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है। अब निवेश का आंकड़ा 30 लाख करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान जताया जा रहा है। इसमें करीब एक चौथाई हिस्सेदारी विदेशी निवेशकों की होगी।अब तक हुए निवेश करार और निवेश सहमति रोजगार के सुखद आंकड़ों की तस्वीर पेश कर रही है। यदि मौजूदा निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरते हैं तो इससे प्रदेश में दो करोड़ से अधिक अधिक रोजगार सृजित होंगे। पचास करोड़ तक निवेश करने वाली छोटी इकाइयों से 1.37 करोड़ से अधिक रोजगार सृजन का अनुमान लगाया गया है। जबकि 50–200 करोड़ का निवेश करने वाली कंपनियां 20.07 लाख रोजगार देंगी। 200–500 करोड़ का निवेश करने वाली कंपनियों से 4.27 लाख से अधिक रोजगार सृजन की संभावना आंकी गई है। वहीं 500–3000 करोड़ का निवेश करने वाली कंपनियां 18.56 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देंगी। 3000 करोड़ से अधिक का निवेश प्रस्ताव देने वाली मेगा कंपनियों ने 15.48 लाख रोजगार देने की सहमति अपने निवेश प्रस्तावों में दी है। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से उत्तर प्रदेश को 32 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिलना एक बड़ी उपलब्धि है। इतनी बड़ी राशि का निवेश प्रस्ताव उत्तर प्रदेश के साथ शेष देश का भी ध्यान खींचने वाला हैं। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार की सराहना करनी होगी कि वह निवेश के अनुकूल वातावरण का निर्माण करने और निवेशकों को आकर्षित करने में सफल रही। ऐसी स्थिति तभी बनती है, जब जमीनी स्तर पर व्यापक बदलाव किए जाते हैं और उनके माध्यम से कारोबारियों को यह भरोसा दिलाया जाता है कि उनका निवेश न केवल सुरक्षित है, बल्कि उनके पास आगे बढ़ने के भी पर्याप्त अवसर हैं। इसमें संदेह नहीं कि पिछले करीब छह वर्षों में उत्तर प्रदेश में बहुत कुछ बदला है। इस बदलाव के कारण ही प्रदेश के पिछड़े माने जाने वाले बुंदेलखंड और पूर्वांचल के जिलों को भी उल्लेखनीय निवेश प्रस्ताव मिले हैं। प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि उसके सभी क्षेत्रों और विशेष रूप से पिछड़े समझे जाने वाले क्षेत्रों में भी उद्योग–धंधे लगें। ऐसे में सभी राज्य सरकारों को इस चुनौती का भान होना चाहिए कि निवेशकों को आकर्षित करने के बाद की चुनौती उनके निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने की होती है और यह चुनौती तब आसान होती है, जब नौकरशाही की कार्यशैली कारोबार हितैषी बनती है। यह न केवल उत्साहजनक है, बल्कि सराहनीय भी कि पिछले कुछ समय से देश के विभिन्न राज्य निवेशकों को आकर्षित करने के मामले में एक–दूसरे से होड़ ले रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले मध्य प्रदेश ने भी निवेशकों का सम्मेलन किया था। इसके पहले राजस्थान ने भी। अच्छी बात यह है कि उद्योग–व्यापार की दृष्टि से पिछड़े माने जाने वाले राज्य भी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए अपने स्तर पर हर संभव जतन कर रहे हैं। विडंबना यह है कि एक ऐसे समय जब राज्य सरकारें उद्योगपतियों को लुभाने के लिए एक–दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, तब कुछ लोग उन्हें खलनायक साबित करने की राह पर चल रहे हैं। ऐसा करके वे उद्यमशीलता को ही हतोत्साहित कर रहे हैं। अपने देश में कुछ लोग अपने संकीर्ण स्वार्थों के चलते धन का सृजन करने और रोजगार के अवसर पैदा करने वाले कारोबारियों के प्रति जिस तरह घृणा का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, वह न केवल खतरनाक है, बल्कि उद्योग–व्यापार विरोधी भी। ऐसे लोगों को यह समझना आवश्यक है कि आज के युग में उद्योग–व्यापार को बढ़ावा दिए बिना देश को आगे नहीं ले जाया जा सकता। बहरहाल 30 लाख करोड़ के भारी भरकम निवेश से उत्तर प्रदेश के बेरोजगारों के सपने साकार होने की जो तस्वीर दिखी है, उसी रास्ते में यह निवेश भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए मील का पत्थर साबित होगा। **–प्रेम शर्मा**

भारतीय जीवनमूल्यों में मातृशक्ति का अहम योगदान - वीरेश्वर द्विवेदी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के सक्सेना इंटर कालेज में रविवार को कुटुंब प्रबोधन के द्वारा लोगों को भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक करने के लिए वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के दौरान राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक वीरेश्वर द्विवेदी ने कहा कि प्राचीन संस्कृति और भारतीय जीवन मूल्यों को अगली पीढ़ी तक सही तरीके से पहुंचाने में मातृशक्ति का सबसे अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि हमारे मानबिन्दु और परम्पराएं के बारे में हमको पता होना चाहिए। अपने मानबिन्दुओं के प्रति श्रद्धा व अपनी परम्पराओं का पालन अगर हम करेंगे तो बच्चे भी सीखेंगे। वीरेश्वर ने कहा कि बच्चों के जन्मदिन के अवसर पर टू यू टू यू के स्थान पर शुभ जन्मदिनं तुभ्यं बोलना चाहिए। एनी बेसेन्ट ने कहा था कि बिना हिन्दुत्व के भारत का भविष्य नहीं हैं। हिन्दू ही अगर हिन्दुत्व को नहीं बचायेंगे तो हिन्दुत्व की रक्षा कौन करेगा। स्वयं भारत ही भारत को बचा सकता है। समाजवादी नेता डा. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रवादी नेता थे। लोहिया ने चित्रकूट में रामायण मेला शुरू कराया था। लोहिया ने कहा था हे

भारत माता हमें शिव का मस्तिष्क और भगवान राम व श्रीकृष्ण का कर्म व वचन दो। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ल ने कहा कि परिवार ही परंपराओं के सबसे बड़े संवाहक हैं। पहला कुटुंब आपका देश है और दूसरा कुटुंब आपका समाज। श्री शुक्ल ने कहा कि बच्चों को मयार्दा और अनुशासन सिखाना अभिभावकों की अहम जिम्मेदारी है साथ ही महापुरुषों की प्रेरक कथाओं को तार्किक तौर पर अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की भी जरूरत है। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रोफेसर एपी तिवारी ने कहा कि बच्चों को सही शिक्षा के द्वारा, परंपराओं से जोड़ते हुए, प्रगति पथ पर ले जाने में, विद्यालयों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। उन्होंने कहा कि बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए, छोटे–छोटे प्रयासों की अहम भूमिका होती है। यदि व्यक्ति अपने आसपास के लोगों को भी प्रेरित करता है तो परिणाम की व्यापकता सुनिश्चित हो जाती है।कुटुंब प्रबोधन लखनऊ के अध्यक्ष प्रो. देवदत्त शर्मा ने बताया कि सामाजिक जागरूकता के लिए संगठन सतत समाज के विविध क्षेत्रों में अपना योगदान कर रहा है। उपाध्यक्ष धनंजय गुप्ता ने भारतीयता के प्रचार–प्रसार को राष्ट्र की अहम जरूरत बताया। संगठन से जुड़े आगामी कार्यक्रमों के विषय में उपाध्यक्ष हेमेंद्र शर्मा ने विस्तार से जानकारी दी। संचार विशेषज्ञ मीनाक्षी दीक्षित ने इस कार्यक्रम को व्यापक रूप से आमजन तक ले जाने के विविध तरीकों और परिणामों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री संजय सिंह और धन्यवाद ज्ञापन मंत्री कमलेश कुमार पांडेय द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत, संगठन के कोषाध्यक्ष पंकज सक्सेना ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ महामाया दत्त पराशर और उनके शिष्यों ने मंगलाचरण के साथ किया गया और समापन विद्यालय की छात्राओं द्वारा वन्देमातरम के गान के साथ हुआ।कार्यक्रम में राजीव कुमार,भारती पाण्डेय, मंजुला उपाध्याय, राजकरन सिंह,प्रदीप पाण्डेय, नेहा रस्तोगी, सुनीता पांडेय,शरद मिश्र, दिलीप कुमार शर्मा, शशि दुबे,राज स्मृति,विनोद यादव, राम लखन यादव, कुलदीप पांडेय, नवीन अवस्थी, अंतिमा अवस्थी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और छात्र–छात्राएं मौके पर मौजूद रहे।

डॉ राम मनोहर विधि विवि ने जीआईएस में लगाया स्टाल

लखनऊ। जीआईएस में शिक्षा विभाग ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा। रविवार को जी–20 में सरस्वती हॉल में उच्च शिक्षा विभाग का स्टॉल नंबर 13 में लगाया गया। जिसे डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के शिक्षक समूह अपने प्रयत्नशील,और सृजनात्मक अंदाज में नागरिकों एवं निवेशकों के समक्ष संवैधानिक मूल्यों, मानवीय संवेदना, नैतिकता, वाले पाठ्यक्रमों की चर्चा करते देखे गए। विश्व विद्यालय की शिक्षिका डॉ अलका सिंह ने बताया कि किस प्रकार उच्च शिक्षण संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए उत्कृष्ट शोध, स्टार्ट अप नीतियों, इंक्यूबेटर्स, कौशल विकास प्रशिक्षण, प्रेरक संवादों के प्रति सक्रिय है। वहीं डॉ मनोज कुमार, डॉ भानू प्रताप सिंह एवं डॉ प्रिया अनुरागिनी राज्य सरकार की शोध एवं अनुसंधान नीति के अंतर्गत विवि एवं महाविद्यालय की शोध प्रोत्साहन के लिए योजनाओं पर चर्चा में जुटे रहे। विविके शिक्षकों ने गुणवत्ता परक इकॉन्टेंट संबंधित उप्र डिजिटल लाइब्रेरी पोर्टल एवं राज्य स्तरीय एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट अबेकस यूपी की स्थापना की भी जानकारी प्रदान की।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में एसडीएम अमित जायसवाल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मिल्कीपुर–अयोध्या । हैरिंग्टनगंज ब्लाक के पलिया लोहानी गांव में युवा प्रधान अभिषेक भद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित परीक्षा चर्चा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ,अभिभावकों, कोचिंग संचालकों और ग्राम प्रधानों ने प्रतिभाग किया स परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम ग्राम पंचायत पलिया लोहानी के पंचायत भवन में युवा प्रधान अभिषेक भद्र सिंह के नेतृत्व पर आयोजित किया गया स इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर अमित कुमार जायसवाल और विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार, स्तंभकार और लेखक बलराम तिवारी शामिल हुए स कार्यक्रम का संचालन रामेंद्र चतुर्वेदी ने किया स इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर ने बोर्ड परीक्षार्थियों से सीधा संवाद स्थापित किया और उन्हें परीक्षा के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया स किस तरीके से पाठ्यक्रम को दोहराया जाए और परीक्षा में अपना सर्वोत्तम किस प्रकार से दिया जाए और मॉक टेस्ट पर उप जिलाधिकारी ने विशेष बल दिया स उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर ने

परीक्षा से संबंधित सभी उपक्रमों पर विस्तार से प्रकाश डाला और छात्र छात्राओं के द्वारा पूछे गए विभिन्न सवालों के जवाब भी दिए स एसडीएम मिल्कीपुर का कहना था कि ग्राम पंचायत पलिया लोहानी से अन्य प्रधानों को सीखने की जरूरत है और समावेशी विकास हर ग्राम पंचायत की आवश्यकता हैस एसडीएम ने समस्त ग्राम प्रधानों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी सार्थक पहल पर वह ग्राम प्रधानों का साथ देंगे स कार्यक्रम के आयोजक अभिषेक भद्र सिंह ने महिला सशक्तिकरण और उन्नति पर विशेष प्रकाश डाला और ग्राम पंचायत पलिया लोहानी को शत प्रतिशत साक्षर बनाने का भी प्रण लियास कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार बलराम तिवारी ने परीक्षा के समय में विद्यार्थी किस तरीके से अवसाद और तनाव से निकले और अभिभावकों की भूमिका पर विशद चर्चा कीस इस कार्यक्रम में वीरेंद्र कुमार दुबे , अजय सिंह, अनुराग सिंह, सुनील तिवारी, ओम प्रकाश यादव, प्रधान संघ के अध्यक्ष अशोक तिवारी, हरीरामपुर के प्रधान लक्ष्मीकांत तिवारी, रामकेवल यादव और वेद प्रकाश तिवारी आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरे

विद्युत चपेट मे आने से किसान की मौत

बीकापुर–अयोध्या । कोतवाली क्षेत्र के नंदू पुर निवासी 31वर्षीय पवान्स पांडे पुत्र रमाशंकर पांडे कि रविवार बीती रात उस समय बिजली के करंट से मौत हो गई जब वह अपने खेत में गेहूं की सिंचाई करने जा रहे थे कि रात्रि लगभग 8:00 बजे पड़ोसी द्वारा जानवरों से फसल बचाने के लिए उद्देश्य से बिजली का नंगा तार लगाए जाने से बिजली की चपेट में आने से घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई जिसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को होते ही हलका इंचार्ज दरोगा राधेश्याम सिंह हमराही सिपाही के साथ मौके पर पहुंचकर लाश कब्जे में लेकर पी० एम० के लिए भेज दिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक का आवास कोतवाली बीकापुर में है। और घटनास्थल इनायत नगर थाने में पड़ता है। दर्दनाक घटना से परिजनों में कोहराम मच गया और शुभचिंतकों में मायूसी छा गई है ।

गैंगस्टर एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

लालगंज,रायबरेली । प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट के तहत नामजद मुलजिम नान्हू पुत्र पितई निवासी घाटमपुर मजरे हाजीपुर थाना गुरबक्श गंज को पकड़ कर जेल भेजा गया है। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश गैंगस्टर अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है ।नान्हू शराब माफिया के नाम से कुख्यात अपराधी है। अवैध शराब का पेशेवर व्यापारी है ।दर्जनों बार अवैध शराब के धंधे में पकड़ा गया है ।लालगंज और गुरबख्श गंज थाने में उसके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हैं ।उसे तहसील रोड रेलवे क्रॉसिंग के पास से पकड़ा गया है। उसे पकड़ने वाली टीम में कोतवाल सहित अपराधी निरीक्षक पंकज त्यागी, सिपाही परमाल सिंह, सचिन सिंह, विरेंद्र कुमार, राहुल सोलंकी शामिल रहे हैं।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

लालगंज,रायबरेली। सड़कों में हो गए बड़े–बड़े गड्ढे भी जानलेवा साबित हो रहे हैं ।गड्ढे में फस कर बाइक का संतुलन बिगड़ा और पीछे बैठी महिला सड़क पर गिर गई ।गिरने से उसके सिर पर गंभीर चोट आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह सड़क हादसा दीलाबाद चौराहे के पास हुआ है ।जानकारी के मुताबिक पूरे लालू मजरे तेरुखा गांव की महिला रामरती पत्नी राम बहादुर अपने घरवालों के साथ बाइक में बैठकर लाल जी का पुरवा दीलाबाद जा रही थी तभी वह दुर्घटना का शिकार हो गई। परिजनों ने बताया कि गड्ढे में फस कर बाइक का संतुलन बिगड़ गया और महिला सड़क पर गिर गई। गिरने से उसके सिर पर गंभीर चोट आई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई ।मामले में पुलिस ने विधिक कार्यवाही की है

बेटों से पीड़ित होकर पिता ने पुलिस से लगाई गुहार

लालगंज,रायबरेली। कलियुग में पिता को अपने पुत्रों से ही खतरा पैदा हो गया है, जिसके चलते बिजली विभाग से अवकाश प्राप्त कर्मचारी गिरिजा शंकर वर्मा ने अपने दोनों पुत्रों राहुल वर्मा व सुधीर वर्मा के खिलाफ लालगंज कोतवाल शिव शंकर सिंह के दरबार में गुहार लगाई है। मामले की शिकायत करते हुए गिरजा शंकर वर्मा ने बताया कि उन्होंने अपनी नौकरी से हुई आय से मकान और मंदिर बनवाया है। मकान पर दोनों पुत्रों ने कब्जा कर लिया है उसके रहने वाले स्थान पर भी ताला लगा दिया है। कहते हैं कि घर में नहीं रहने दूंगा। कहीं जाकर के आत्महत्या कर लो ।पीड़ित पिता ने पुलिस से गुहार लगाते हुए कहा कि वह बाहर रहकर किसी तरह गुजर बसर कर रहा हैं ।उनके दोनों पुत्रों ने मंदिर से पंखा ,साउंड और स्पीकर भी खोल लिया है ।बिना डिग्री के अस्पताल चला रहे हैं। मामले को सुनकर कोतवाल ने पीड़ित पिता को कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

ट्रेन की चपेट में आने से किशोरी की दर्दनाक मौत

उन्नाव। शहर कोतवाली क्षेत्र के दयालखेड़ा रेलवे क्रॉसिंग के निकट रविवार दोपहर ट्रेन की चपेट में आने से किशोरी की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी पर पहुंचे जीआरपी और चौकी पुलिस ने मामले की जांच की। शव की पहचान के बाद परिजनों को सूचना दी। वहीं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।बता दें कि मूल रुप से कानपुर देहात के रूरा थाना क्षेत्र मुंडावर निवासी जो कि वर्तमान में मगरवारा गांव में किराए पर रहने वाले दीपक की 17 वर्षीय बेटी पूजा एक निजी स्कूल में कक्षा आठ की छात्रा थी। रविवार दयालखेड़ा गांव स्थित रेलवे क्रासिंग पार करते समय अपलाइन से गुजर रही ग्वालियर बरौनी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इधर घटना के बाद ग्रामीणों की भीड़ इकठ्ठा हो गई।

जमीन बेचने के नाम पर पौने दो करोड़ रुपये की ठगी,मुकदमा दर्ज

कानपुर। शहर के काकादेव में प्रॉपर्टी डीलर ने जमीन बेचने के नाम पर पौने दो करोड़ रुपये की ठगी का मामला दर्ज कराया है। पुलिस जांच में जुटी है। पांडुनगर निवासी कमलेश चंद्र शर्मा ने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले उनकी मुलाकात नर्वल के हाथीपुर निवासी रामऔतार व उनके परिवार से हुई थी। उन्होंने हाथीपुर में अपनी जमीन बेचने के लिए कहा। पूरा सौदा 4.12 करोड़ रुपये में तय हुआ था। कुछ समय में राजकुमारी, उसके बेटे मनीष और सतीश ने एडवांस के रूप में गई बार में 1.75 करोड़ रुपये ले लिए और इकरारनामा भी किया।आरोप है कि जब रजिस्ट्री के लिए कहा तो टालमटोली कर अतिरिक्त रुपये की मांग करने लगे। विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए हत्या की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड से शिकायत की। उनके आदेश पर कोतवाली में राजकुमारी,दोनों बेटों के खिलाफ धोखाधड़ी, गाली गलौज समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाली प्रभारी शरदेंदु पांडेय ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की गई है।

जमीनी विवाद को लेकर दबंगों ने महिला को पीटा, घायल

सकरन,सीतापुर। थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद में दबंगों ने बुजुर्ग महिला को लाठी–डंडो से पीटा। महिला की जमीन को कब्जा करने के फिराक में गांव के ही कुछ लोगों से काफी समय से विवाद चल रहा था।

मातृ डिवाइस से महिलाओं को दवाइयां खाने से मिलेगी निजात

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। महिलाओं को अब मातृ डिवाइस के प्रयोग करने से दवा खाने से छुटकारा मिलेगा। यह डिवाइस कहीं भी कैरी करने में आसानी होगी। माहवारी के दौरान महिलाओं को काफी दर्द का सामना करना पड़ता है। दर्द से छुटकारा पाने के लिए महिलाएं कई तरह की दवाइयों का प्रयोग करना होता है। जिससे दर्द से उन्हें छुटकारा मिल जाता है, लेकिन दवा खाने से कई तरह के साइड इफेक्ट भी का सामना करना पड़ता है। यह डिवाइस रॉनी मंडल और रोहन ने मिलकर एक डिवाइस बनाया है। जिसके यूज से महिलाएं 10 मिनट में ही दर्द से छुटकारा पा सकेंगी। इलेक्ट्रॉनिक पोर्टेबल वायरलेबल रिचार्जेबल डिवाइस को कैरी करने में भी कोई झंझट नहीं होगी। यह चार सेंटीमीटर का यह छोटा सा डिवाइस है महिलाएं इसे कहीं भी यूज कर सकती हैं। इस डिवाइस का नाम मातृ रखा है। एक बार चार्ज करने पर यह काफी दिनों

तक काम करता है। रविवार को डिवाइस को बनाने वाली रानी मंडल ने बताया कि महिलाओं की समस्याओं को देखते हुए इसे बनाने का आईडिया आया। उन्होंने बताया कि गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस नोएडा में इसका क्लिनिकल ट्रायल चल रहा है। वहीं आईआईटी पटना ने इस प्रोडक्ट की सीड फंडिंग भी की है। इन्होंने जीआइएस एकेटीयू के इन्नोवेशन हब की ओर से प्रदर्शनी में लगाए गए इस प्रोडक्ट को काफी सराहना मिली। जल्द ही यह डिवाइस बाजार में उपलब्ध होगी।

अनियंत्रित कार की टक्कर से टैम्पो सवार एक की मौत, छः घायल

बिसवां,सीतापुर। थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां एक कार ने दूसरी कार में टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित कार ने टेंपो में टक्कर मार दी। इस हादसे में टैंपो में सवार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं कार भी बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हुई है। टेंपो में सवार सभी सात घायलों को इलाज के लिए सीएससी में भर्ती कराया गया। घटना में एक यात्री की मौत हो गई है। वहीं छह घायलों का इलाज सीएससी में जारी है। घटना के बाद कार सवार लोग मौके से फरार हो गए हैं। घटना बिसवां कोतवाली इलाके की है। यहां जहांगीराबाद इलाके में एक मारुति इको कार दूसरी कार में टक्कर मारने के बाद अचानक अनियंत्रित हो गई। इस अनियंत्रित मारुति इको कार ने आगे चलते ही यात्रियों को लेकर जा रहे एक टेंपो को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

अज्ञात कारणों से लगी आग से दो दर्जन घर हुए राख

सकरन,सीतापुर। थाना क्षेत्र में अज्ञात कारणों से लगी आग से करीब पैतीस घर जलकर राख हो गये। ग्रामीणों व अग्निशमन की कडी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस अग्निकांड में पच्चास लाख से ऊपर के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। थाना क्षेत्र के टापरपुरवा मजरा धनपुरिया गांव निवासी साधू के घर में रविवार की दोपहर करीब एक बजे अचानक लगी आग ने तेज हवा के चलते देखते ही देखते पूरे गांव को अपने आगोश में ले लिया। आग से चेतराम, नरेश, छोटकऊ, रामसहींय, ताराचंद, कमलेश, सोनेलाल, रामजस, छोटेलाल, दुजई, गिरीस, मुन्ना, रामलखन, रामपाल, घूरूलाल, तिरबेनी, बनवारी, बाउर, रामकुमार, मोहन, सुकई, पीतकुमार, गुड्डू, चन्दकिशोर, बनवारी, राजू, हरिनाम, जगदीश, मम्मू,साधू, नन्हू, बिक्रम, बुधराम, हरिशंकर, उत्तम, छन्नू, मालती, कुलदीप, रंजीत, करन, प्रदीप आदि समेत करीब पच्चास घर जलकर राख हो गये। इन घरों में रखे कपडा, बर्तन, अनाज, जेवर भी जल गये। आग से साधू की चार बकरिया जिंदा जल गयी। इस अग्निकांड में पच्चास लाख से ऊपर का नुकान बताया जा रहा है। ग्रामीणों व अग्निशमन द्वारा करीब दो घंटे की कडी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया। तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था। सूचना पर घटना स्थल पर बिसवां तहसीलदार अविचल प्रताप, लहरपुर तहसीलदार शशिबिन्द द्विवेदी, सीओ बिसवां अभिषेक प्रताप सिंह ने पीडित परिवारों को सरकारी सहायता दिलाये जाने की बात कही है।

घर में घुसे चोर ने महिला का दबाया गला

डलमऊ,रायबरेली। चोरी की नियत से घर में घुसे अज्ञात चोर ने जग गई एक वृद्ध महिला का गला दबा दिया और दरवाजा खोल कर फरार हो गया महिला की हालत गंभीर होने पर उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के सलेमपुर में शनिवार रविवार की रात को लगभग 1रू00 बजे राम नरेश की पत्नी शिव प्यारी घर के अंदर कमरे में सो रहे थे वही दूसरे कमरे में उसकी बहू रीता भी सोई हुई थी रामनरेश खेतों की रखवाली कर रहे थे तभी किसी अज्ञात चोर चोरी की नियत से घर में घुसा और अलमारी खोल रहा था तभी कमरे में सोई हुई वृद्ध महिला की नींद खुल गई जब उसने शोर मचाने का प्रयास किया तो चोर ने जोर से उसका गला दबा दिया और मरणासन्न अवस्था में छोड़कर भाग गया तब तक कमरे में सोई बहू भी जग गई उसने भागते हुए चोर को भी देखा शोर–शराबा होने पर आसपास के लोग पहुंचे तो देखा वृद्ध महिला गंभीर हालत में चारपाई पर पड़ी हुई थी जिसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया हालत गंभीर होने पर उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया जहां पर उसका इलाज चल रहा है।

किसानों, नौजवानों व गरीबों के सच्चे हमदर्द थे चौ० अजित सिंह

कानपुर नगर। राष्ट्रीय लोक दल के तत्वाधान में चौ0 अजित सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री व राष्ट्रीय अध्यक्ष का 84वां जन्मदिन बादशाहीनाका सब्जी मंडी स्थित कार्यालय में धूम–धाम के साथ मनाते हुए चौधरी जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा की गयी तथा उनके चित्र पर पुष्पांलि अर्पित की गयी।कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि चौधीर जी के परिवार में चौधरी

जयंत व दो बेटिया थी, अब चौधरी जयंत सिंह राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष है। कहा कि वह पहली बार 1986 में राज्यसभा से सांसद पहुंचे तथा 1987 में लोकदल के नाम से अलग पार्टी का निर्माण किया और राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। सुरेश गुप्ता प्रांतीय उपाध्यक्ष ने कहा चौधरीजी ने किसानों को संगठित करने का कार्यकिया तथा सदैव कौमी एकता पर बल दिया। कानपुर नगर अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान ने कहा कि चौधरी अजित सिंह जी किसानों, नौजवानों, गरीबों के सच्चे हमदर्द थे, जब वे कृषि एवं सहकारिया तंत्री थे, तो उन्होने सहकारिता क्षेत्र को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराया तथा हमेशा किसानों के हित के मुददों पर संघर्ष करते रहे वहीं उन्होने किसान आंदोलन के सम्बन्ध में भी किसानों को संगठित करने का सराहनीय कार्य किया। कार्यक्रम का संचालन शाकिर अली ने किया तथा नगर अध्यक्ष मोहममद उस्मान, सुरेश गुप्ता, विनोद यादव, विजय शंकर, राजेंद्र यादव, अश्वनी द्विवेदी, सोनू गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

निष्ठा पूर्वक, नकल विहीन एवं शान्ति पूर्ण परीक्षा सम्पन्न कराना जिम्मेदारी सभी की:-डीएम

प्रयाग दर्पण संवाददाता

हरदोई। जनपद के 143 केन्दों पर 16 फरवरी 2023 से प्रारम्भ होने वाली हाईस्कूल एवं इण्टर मीडिएट की परीक्षा के सम्बन्ध में स्थानीय रसखान प्रेक्षागृह में आहूत प्रशिक्ष बैठक में उपस्थित समस्त केन्द्रों के सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक तथा सचल दल प्रभारियों को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा एवं बोर्ड के निर्देशों का पालन करते हुए जनपद में निष्ठा पूर्वक, नकल विहीन एवं शान्ति पूर्ण बोर्ड परीक्षा सम्पन्न कराना सभी की जिम्मेदारी होगी।जिलाधिकारी ने कहा कि केन्द्र व्यवस्थापक सभी परीक्षा कक्षों में एक–एक घड़ी लगवाये तथा परीक्षों कक्षों के अलावा विद्यालय के मेन गेट

एक सीसी कैमरे अवश्य लगवाये और परीक्षा देने आने वाले परीक्षार्थियों के बैग, मोबाइल, पुस्तकें आदि रखने के लिए कमरे की व्यवस्था कराने के साथ समस्त कक्ष निरीक्षको तथा कर्मचारियों पहचान पत्र जारी करें। उन्होने कहा कि परीक्षा के दौरान बिजली जाने पर जनरेटर आदि की व्यवस्था कराये ताकि सीसी फुटेज बन्द न हो और प्रत्येक दिन परीक्षा के बाद की सीसी फुटेट अपने कम्प्यूटर पर सेफ रखें। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा केन्द्र के 200 मीटर की परिधि में किसी प्रकार का लाउड स्पीकर नही बजेगा और न ही कोई दुकान आदि खुलेगी और उल्घंटन करने की शिकायत केन्द्र व्यवस्थापक संबंधित थानाध्यक्ष को बताकर समस्या दूर करायगें।जिलाधिकारी ने कहा कि बोर्ड परीक्षा के सम्बन्ध पूर्ण जानकारी जिला विद्यालय निरीक्षक तथा प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कालेज द्वारा दी गयी है इसलिए जनपद की गरिमा बनाये रखने के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ बोर्ड परीक्षा सम्पन कराये, इसके लिए प्रशासन एवं पुलिस का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

सीएचसी व मेडिकल स्टोर संचालकों के खेल से ग्रामीण महंगे दामों पर दवा लेने को मजबूर

मिल्कीपुर–अयोध्या । जिले के पिछड़े क्षेत्र के रूप में माने जाने वाले मिल्कीपुर क्षेत्र से इलाज कराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर पहुंच रहे मरीजों व उनके तीमारदारों के साथ डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टोर संचालकों द्वारा जबरदस्त खेल खेला जा रहा है। जहां प्रदेश सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग को लगातार निर्देशित किया जा रहा है कि बाहर से मरीजों को दवाएं न लिखी जाए। वही दूसरी ओर सीएचसी मिल्कीपुर के चिकित्सकों द्वारा क्षेत्र से आए मरीजों को खूब धड़ल्ले से बाहर की दवाएं लिखी जा रही है। बताते चलें कि चिकित्सकों द्वारा लिखी गई दवाएं पूरे इनायत नगर बाजार में किसी भी मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध नहीं है। चिकित्सक द्वारा अस्पताल के बाहर से लिखी दवा सीएचसी मिल्कीपुर गेट पर स्थित आजाद मेडिकल स्टोर पर ही मिलती है सीएचसी के डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टोर संचालकों की करतूतों के चलते मरीज और तीमारदार महंगे दामों पर दवाएं खरीदने को विवश है। ऐसा ही एक मामला सीएचसी मिल्कीपुर पर देखने को मिला। मरीज किरन कुमारी सीएचसी पर संचालित ओपीडी में बैठे चिकित्सक से दवा कराने आई थी। ओपीडी में मौजूद डॉक्टर जे पी विश्वकर्मा द्वारा उन्हें बाहर की दवाई लिख दी गई। पीड़िता किरन कुमारी ने बताया कि वह डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाओं का पर्चा लेकर पूरे इनायतनगर बाजार स्थित मेडिकल स्टोरों पर घूमती रही, लेकिन उन्हें दवा नहीं मिल सकी। मेडिकल स्टोर तथा अन्य लोगों के बताने के बाद जब वह आजाद मेडिकल स्टोर पहुंची तो डॉक्टर द्वारा लिखी दवा मिली तो लेकिन काफी महंगे दामों में स्टोर संचालक द्वारा दी गई। जब बाहर से महंगी दवा लिखे जाने के संबंध में डॉक्टर जी पी विश्वकर्मा से जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया कि ऐसा नहीं सभी मेडिकल स्टोर पर दवा उपलब्ध है। स्थानीय लोगों की माने तो सीएचसी मिल्कीपुर गेट पर स्थित आजाद मेडिकल स्टोर को यहां के डॉक्टरों का संरक्षण प्राप्त है। सीएचसी मिल्कीपुर के द्वारा लिखी गई दवाओं से ही उनकी मेडिकल स्टोर का कारोबार काफी तेजी से फल फूल रहा है। सीएचसी मिल्कीपुर के डॉक्टर तथा आजाद मेडिकल स्टोर की कमीशन खोरी से मरीज तथा तीमारदार महंगे दामों पर दवा लेने को मजबूर हैं।

हीरालाल यादव ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में पहुंचे मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री शिव पाल सिंह यादव के साथ संयुक्त शिक्षा निदेशक सुरेंद्र तिवारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

सरोजनीनगर। हीरालाल यादव ग्रुप आफ कालेजेज का 25वाँ स्थापना दिवस ,वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया । इस अवसर पर छात्र व छात्राओं द्वारा देश को अपनी भावनाओं से प्रेरित होकर विभिन्न कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर प्रस्तुति की । कार्यक्रम के मुख्यअतिथि शिवपाल सिंह यादव पूर्व कैबिनेट मन्त्री उप्र० सरकार, योगेन्द्र यादव, परमवीर चक्र विजेता, सुरेन्द्र तिवारी सँयुक्त शिक्षा निदेशक, षष्टमंडल लखनऊ, राकेश पाण्डे जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ, मोहित यादव अर्न्तराष्ट्रीय हैण्डबाल प्रतियोगिता में लक्ष्मण पुरस्कार से उप्र०सरकार द्वारा सम्मानित, पूर्व विधायक मोहनलाल गँज के साथ ही छात्र छात्राओं के मध्य गरिमामय उपस्थित रही । विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक श्याम किशोर यादव एव राम सिंह एडवोकेट व चेयरमैन एवँ ए०पी० सिंह प्राचार्य, हीरा लाल यादव डिग्री कालेज द्वारा अतिथियों का माला पहनाकर एवँ

स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बतौर उपस्थित पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिहँ यादव ने अपने उदबोधन में कहा कि देश को जाति और धर्म में न बाँटा जाय और देश को आत्मनिर्भर बनाने , रोजगार और शिक्षा मार्ग को सरकार प्रशस्त करें। हमारे यहा राम, कृष्ण और सतों का आदर और सम्मान किया जाता है । मन्त्री द्वारा कालेज की आफरीन को हाईस्कूल में 91.5: अंक और दीपाँशु राज शर्मा को 93: अंक प्राप्त करने पर एककृएक साईकिल प्रदान की गयी । योगेन्द्र यादव द्वारा कारगिल युद्ध में टाईगर हिल पर किस तरह से 23 वर्ष की उम्र में पाकिस्तान सैनिकों की 17 गोलियाँ शरीर में लगने के बाद भी भारत माता की सेवा में आज भी तत्पर हैं। अपने सैनिक जीवन के अतीत पर प्रकाश डाला और छात्रकृ छात्राओं को अपने देश की रक्षा के लिए, उनमें आत्मविश्वास जाग्रत किया । विद्यालय प्राँगण में हुए भव्य समारोह में अतिथियों, छात्र छात्राओं और अभिभावकों के अतिरिक्त सहदेव सिंह सचिव हीरालाल यादव सेवा समिति, राजकुमार यादव अधीक्षक, उ०प्र० सैनिक स्कूल, समाजसेवी बृजकिशोर यादव, शब्बीर अहमद जिलासचिव सपा, हरिनाम सिह, जगनायक सिह चौहान आदि प्रमुख रुप से उपस्थित थे ।

माघ मेला के दौरान 6448 बिछुड़ों को मिलाया परिजनों से

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । माघ मेला क्षेत्र में स्थित विभिन्न खोया पाया केन्द्रों के माध्यम से देश के कोने कोने से आने वाले स्नानार्थियों और श्रद्धालुओं के संगम स्नान के दौरान मेला क्षेत्र में परिजनों से बिछुड़ने तथा बच्चों के खो जाने पर, मेला क्षेत्र में लगातार अत्यन्त सक्रियता से त्वरित कार्यवाही करते हुये गुमशुदा बच्चों की बरामदगी एवं भूले भटके व्यक्तियों को उनके परिजनों से मिलवाना सुनिश्चित किया गया।

मेला क्षेत्र में संगम स्नान और विचरण के दौरान बिछुड़ जाने अथवा खो जाने पर मिलाने की कार्यवाही करने के उद्धेश्य से मेला क्षेत्र में विभिन्न खोया पाया केन्द्रों की स्थापना की गई। श्रद्धालुओं की सुविधा की दृष्टि से खोया पाया केन्द्र को चिन्हित करने के लिये बड़े सफेद हवाई गुब्बारे से इंगित किया गया था, जिससे कोई भी व्यक्ति आवश्यकतानुसार मेले में इस केन्द्र को दूर से ही पहचान ले और सुगमता से इस स्थान तक पहुंच सके।

खोया पाया केन्द्रों द्वारा इसके बारे में जानकारी प्राप्त करके समस्त जानकारी को डिजिटल फार्म में समावेश करते हुये तत्काल गुमशुदा बच्चों या व्यक्तियों के नाम, पता, हुलिया आदि का विवरण प्रसारित कराया गया। यह प्रसारण

इन्टीग्रेटेड कमाण्ड कन्ट्रोल सेन्टर के माध्यम से जुड़े मेला क्षेत्र के सभी थानों, चौकियों व अन्य स्थानों पर लगे वायरलेस सेट से कराया गया जिससे मेला क्षेत्र में नियुक्त सभी कर्मी गुमशुदा से सम्बन्धित समस्त विवरण से भिज्ञ हो सके। साथ ही समस्त मेला क्षेत्र को आच्छादित कर रहे, लगभग 200 कैमरों से कमाण्ड कन्ट्रोल सेन्टर में एलईडी वाल पर सम्बन्धित गुमशुदाओं को नियुक्त कर्मियों द्वारा वॉच तथा चिन्हित किया गया। मेला क्षेत्र में व्यवस्थापित पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से भी गुमशुदाओं से सम्बन्धित सूचनाएं समय–समय पर अनवरत प्रसारित की गई। उल्लेखनीय है कि समय पर किये गये प्रयासों का सार्थक परिणाम सामने आया और माघ मेला पुलिस त्वरित कार्यवाही करते हुये गुमशुदा बच्चों की बरामदगी तथा बिछुड़े हुये व्यक्तियों को उनके परिजनों से मिलाने में शत प्रतिशत सफल रही। मेला पुलिस द्वारा माघ मेला के प्रारम्भ से लेकर अब तक 3757 पुरुषों, 2467 महिलाओं 224 बच्चों सहित कुल 6448 व्यक्तियों को मेला भ्रमण तथा संगम स्नान के दौरान बिछुड़ जाने अथवा खो जाने पर बरामद कराया गया तथा उनके परिजनों से मिलवाया गया। इस दौरान गुमशुदा बच्चों एवं बिछड़े हुये व्यक्तियों से मिलकर उनके परिजनों द्वारा खोया पाया केन्द्र व माघ मेला पुलिस की सक्रियता की सराहना व प्रसंशा की गई तथा आभार भी व्यक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक माघ मेला डा0 राजीव नारायण मिश्र के अथक प्रयासों द्वारा भूले–भटकों हेतु त्वरित कार्यवाही करते हुये उनके परिजनो से मिलाने के लिये मेला क्षेत्र मे 02 खोयापाया केन्द्रों के स्थान पर 07 खोया–पाया केन्द्रों की स्थापना की गयी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक माघ मेला डा0 राजीव नारायण मिश्र व पुलिस अधीक्षक माघ मेला आदित्य कुमार शुक्ल के द्वारा लगातार कन्ट्रोल रुम, खोया पाया केन्द्र तथा विभिन्न थानों की इस सम्बन्ध में कार्यवाहियों की सतत निगरानी समन्वय व सतत मार्गदर्शन किया जाता रहा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक माघ मेला द्वारा खोया पाया केन्द्रों में नियुक्त हे0का0 विनोद कुमार, हे0का0 मिथिलेश कुमार, आरक्षी अभिषेक यादव, म0का0 अनामिका मृदुल, म0का0 रश्मी तिवारी, हो0गा0 कृष्ण चंद तिवारी, हो0गा0 गुलाब शंकर द्विवेदी तथा स्वयं सेवी संगठन 'भारत सेवा दल' प्रयागराज के सराहनीय योगदान हेतु अध्यक्ष उमेश चन्द्र तिवारी तथा संचालक लाल जी तिवारी व 'एनाउन्सर' सतेन्द्र सिंह, पुष्कर उपाध्याय, श्रीमती लक्ष्मी देवी एवं सहयोगी संगम लाल पाण्डेय को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

निवेशकों को मिलेगा पूरा सहयोग: विधायक बारा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 के समापन समारोह में रविवार को जिला उद्योग बंधु की बैठक का आयोजन जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में संगम सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में हैदर रजा सहायक प्रबन्धक द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मुख्यमंत्री, राज्यपाल तथा राष्ट्रपति के उद्बोधन का सजीव प्रसारण किया गया। बैठक में भार्गव पैकटेक, इण्डियन प्रेस कर्नलगंज प्रयागराज के लम्बित प्रकरण का निस्तारण की सूचना अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड जार्जटाउन द्वारा दिये जाने पर उद्यमियो द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई। विद्युत विभाग का ही तरूण इण्टरप्राइजेज के भुगतान के लम्बित प्रकरण पर विद्युत विभाग के अधिकारी द्वारा एक दो दिन में भुगतान कराये जाने का आश्वासन दिया गया।

त्रिवेणी इलेक्ट्रोप्लास्ट प्रा0लि0 के बिलो के भुगतान के सम्बंध में प्रधानाचार्य आई0टी0आई0 द्वारा बताया गया कि बजट प्राप्त हो गया है, शीघ्र ही भुगतान करा दिया जायेगा। बैठक में स्वरोजगार परक योजनाओं में ओडीओपी योजना में लक्ष्यानुरूप प्रगति पर जिलाधिकारी द्वारा अग्रणी बैंक प्रबन्धक को तीन

दिन के अन्दर शत–प्रतिशत ऋण वितरण कराने का निर्देश दिये गया। निवेश मित्र पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों पर त्वरित निस्तारण हेतु जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

बैठक में विधायक बारा वाचस्पति, सांसद के प्रतिनिधि दिनेश तिवारी के साथ जनपद के प्रमुख उद्यमी विनय टण्डन, इन्द्रेश भार्गव, दिनेश कुन्द्रा लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष ए0के0जैन उपस्थित रहे। बैठक में अमित शुक्ला सहायक प्रबन्धक द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।विनय टण्डन द्वारा सहयोगी अधिकारियों की टीम को अच्छे सहयोग हेतु आभार प्रकट किया गया। बैठक में व्यापारी कल्याण बोर्ड के नटवर लाल भी बैठक में उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरे

जिलाधिकारी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया

प्रयागराज । जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने रविवार को उ0प्र0 न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन(प्रा0)) परीक्षा–2022 के लिए जनपद में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने सीएवी इंटर कॉलेज, केपी इंटर कॉलेज, शिवचरण दास कन्हैया लाल इंटर कॉलेज पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा की क्रियाशीलता एवं परीक्षार्थियों की उपस्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

थाना पूरामुफ्ती पुलिस द्वारा मिट्टी का अवैध खनन

प्रयागराज । दिनांक 12.02.2023 को ग्राम मरियाडीह थाना क्षेत्र पूरामुफ्ती में अवैध खनन परिवहन व ओवर लोडिंग वाहनो के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 03 डम्फर को कब्जे में लेकर अन्तर्गत धारा 207 MV&ACT में सीज कर थाना परिसर में खड़ा कराया गया । उक्त के सम्बन्ध में परिवहन विभाग को रिपोर्ट प्रेषित की गयी। सीज किये गये वाहनो का विवरण–1- UP 66AT 1917 2- HR 74A8132 3- HR 74A 8591पुलिस टीम का विवरण–उ0नि0 शिव प्रताप सिंह चौकी प्रभारी बमरौली, हे0का0 नागेन्द्र सिंह, का0 प्रिन्स यादव थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना सरायइनायत पुलिस द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार

थाना सरायइनायत पुलिस द्वारा क्षेत्र मे शांति व्यवस्था के दृष्टिगत अभियुक्त मो0 आरिफ पुत्र मुमताज अहमद निवासी हनुमानगंज थाना सरायइनायत जनपद प्रयागराज व द्वितीय पक्ष के मिथलेश यादव पुत्र स्व0 सूर्यमणि यादव निवासी देवकली थाना सरायइनायत जनपद प्रयागराज को अन्तर्गत धारा 151/107/116 Crpc में गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्तगण–1.मो0 आरिफ पुत्र मुमताज अहमद निवासी हनुमानगंज थाना सरायइनायत, प्रयागराज उम्र 26 वर्ष 2. मिथलेश यादव पुत्र स्व0 सूर्यमणि यादव निवासी देवकली थाना सरायइनायत, प्रयागराज उम्र करीब 42 वर्षगिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम– उ0नि0 आशुतोष दीक्षित चौकी प्रभारी हनुमानगंज, हे0का0 इमामुद्दीन खा, का0 आशीष कुमार यादव थाना सरायइनायत जनपद प्रयागराज।

थाना उतरांव पुलिस द्वारा 01 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज । थाना उतरांव प्रयागराज के नेतृत्व में उतरांव पुलिस टीम द्वारा दिनांक–11.02.2023 को मा0 न्यायालय स्पे0 जज इलाहबाद द्वारा आदेशित एनबीडब्लू SP/ST 110/2020 धारा 323/504/506 भा0द0सं0 व 3(2)Vd SC/ST ACT के 01 वारण्टी भूपेन्द्र सिंह पुत्र रामराज सिंह निवासी बड़का फुलहा बिरगापुर थाना उतरांव प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।गिरफ्तार अभियुक्त – भूपेन्द्र सिंह पुत्र रामराज सिंह निवासी बड़का फुलहा बिरगापुर थाना उतरांव प्रयागराज । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–1. उ0नि0 हरिशचन्द्र शर्मा थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज 2. हे0का0 अमरनाथ यादव थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज 3. हे0का0 परवेज खान थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।

अखिल भारतीय नृत्य एवं संगीत प्रतियोगिता में प्रयागराज के अशित साईं प्रथम

प्रयागराज । प्रयाग संगीत समिति द्वारा आयोजित 61 वीं अखिल भारतीय संगीत प्रतियोगिता में प्रयागराज के कलाकार अशित साईं ने पहला स्थान प्राप्त प्रयागराज का पूरे भारत मे मान बढ़ाया है। अशित ने गिटार विधा में भारतीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

संस्था के पदाधिकारियों ने शनिवार की शाम अशित को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पूरे देश के अलग–अलग जिलों से आए 400 से अधिक लोगों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। अशित मुख्य न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी के हाथों सम्मानित हुए। प्रयाग संगीत समिति द्वारा बीते 8 फरवरी को समिति के सभागार में संगीत की विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें अपने शहर के अलावा दर्जनभर अन्य राज्यों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। आपको बता दें अशित की उम्र 12 वर्ष है और इतनी कम आयु में अशित ने कई बुलंदियों को छुआ है।

बैंककर्मी से लूट के दो आरोपियों पर गैंगस्टर का मुकदमा

घोसी, मऊ। स्थानीय कोतवाली अन्तर्गत घोसी मधुबन मार्ग पर विगत वर्ष के अगस्त माह की 8 तारीख को मधुबन निवासी बैंक कर्मी से मोबाइल, पर्स व रुपये की लूट करने वाले दो आरोपियों पर कोतवाली पुलिस ने जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद गिरोहबंद अधिनियम की धारा में मुकदमा पंजीकृत किया है। स्थानीय कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार त्रिपाठी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि विगत वर्ष 2 अगस्त 2022 को जनपद के मधुबन थाना अन्तर्गत कोतवालपुर निवासी बैंक कर्मचारी से स्थानीय कोतवाली अन्तर्गत घोसी मधुबन मार्ग पर हथियारबंद बदमाशों ने 10 हजार नकदी, मोबाइल व पर्स लूटकर फरार हो गये थे जिसका मुकदमा स्थानीय थाने पर दर्ज किया गया था। विवेचना में मानसिंह पुत्र जयप्रकाश निवासी पश्चिम पट्टी इंदारा थाना कोपागंज, धर्मेन्द्र राजभर पुत्र स्व रामचन्द्र उर्फ रामबचन व मन्नू राजभर पुत्र सुक्खू निवासीगण मोहम्मदपुर बंसपति का नाम प्रकाश में आया व दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद लूटी गई मोबाइल बरामद की गई थी। जिलाधिकारी से अनुमोदन के बाद थाना प्रभारी की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मानसिंह व धर्मेन्द्र राजभर के विरुद्ध उ0प्र0 गिरोह एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 की धारा के अन्तर्गत मुकदमा पंजीकृत कर लिया।

जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का भव्य रूप से हुआ आयोजन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद के तत्वाधान में जनपद न्यायालय इलाहाबाद व समस्त तहसीलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन प्रातः 10:00 माननीय जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद श्री संतोष राय द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 169799 वादों का निस्तारण किया गया द्य माननीय जनपद न्यायाधीश इलाहाबाद श्री संतोष राय द्वारा 31 सिविल वाद निस्तारित किए गए । फौजदारी के कुल 3060 वादों का निस्तारण किया गया द्य आर्बिट्रेशन के 09 वाद निस्तारित किए गए द्यपारिवारिक न्यायालय श्रीमती निशा सिंह, श्रीमती रश्मि सिंह, श्रीमती मिताली गोविंदराव व श्री प्रदीप कुमार के द्वारा कुल 45 वादों का निस्तारण आपसी समझौते के आधार पर किया गयाद्य मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण पीठासीन अधिकारी श्री सुनील कुमार पंचम व श्री बुद्धि सागर मिश्रा के द्वारा 190 वादों का निस्तारण किया गयाद्य श्री विकास

श्रीवास्तव अपर जनपद न्यायाधीश ई सी एक्ट के द्वारा विद्युत के 90 मामलों का निस्तारण किया गया । श्री दिनेश कुमार गौतम मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के द्वारा 1756 वाद श्री सुरेश कुमार दुबे अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कक्ष संख्या दो के द्वारा 1049 वाद श्रीमती जया प्रदर्शनी वर्चुअल कोर्ट ट्रैफिक के द्वारा कुल 13380 प्री लिटिगेशन वाद निस्तारित किए गए । राजस्व न्यायालय के द्वारा कूल 126327 वादों का निस्तारण किया गयाद्य बैंक के प्री लिटिगेशन 1203 मामले निस्तारित किए गए। श्रीमती निशा झा नोडल अधिकारी ध्एडीजे लोक अदालत के निर्देशन में समस्त विभागों से समन्वय स्थापित कर लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। यह जानकारी सुभाष चंद्र मौर्य सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद द्वारा दी गई।

परीक्षितगढ़ के लोधीपुरा अनूपशहर नहर में मिला हैंड ग्रेनेड, फंसा था पत्थरों के बीच

मेरठ। मेरठ के परीक्षितगढ़ थाना इलाके के लोधीपुरा अनूपशहर नहर में पत्थरों के बीच फंसा हुआ हैंड ग्रेनेड बम मिलने पर सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हैंड ग्रेनेड को कब्जे में लेकर थाना परिसर में सुरक्षित स्थान पर रखवा दिया है। हैंड ग्रेनेड कहां से आया, इस मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

आसिफाबाद–परीक्षितगढ़ मार्ग नगर के पास लोधीपुरा अनूपशहर नहर पिछले दो सप्ताह से बंद चल रही है। शनिवार शाम करीब 6 बजे लोधीपुरा नहर निवासी कुछ युवकों ने नहर में हैड ग्रेनेड बम होने की सूचना थाना पुलिस को दी।

थाना पूरामुफ्ती पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र (देशी तमन्चा) के साथ प्रदर्शन करने वाला 01 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज । दिनांक 11.02.2023 को मुखबिर की सूचना पर सोशल मीडिया में वायरल विडियो "बारात के कार्यक्रम में अवैध शस्त्र देशी तमन्चा के साथ" प्रदर्शन करने वाला अभियुक्त लकी कुमार पुत्र रवि प्रकाश नि0 मुण्डेरा भूसा वाली गली थाना धूमनगंज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना पूरामुफ्ती क्षेत्रान्तर्गत तिवारी तालाब इलाहाबाद फतेहपुर मुख्य मार्ग से गिरफ्तार किया गया। कब्जे से 01 देशी तमन्चा .315 बोर व 02 जिन्दा कारतूस बरामद किया गया। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना पूरामुफ्ती में मु0अ0सं0–32/2023 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण लकी कुमार पुत्र रवि प्रकाश नि0 मुण्डेरा भूसा वाली गली थाना धूमनगंज , प्रयागराज पंजीकृत अभियोग का विवरण मु0अ0सं0–32/2023 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज ।बरामदगी का विवरण 01 अदद देशी तमंचा .315 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम उ0नि0 कुलदीप शर्मा चौकी प्रभारी सल्लाहपुर, का0 प्रवेश यादव, का0 राम लखन थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज।

शरीर पर नहीं था कोई कपड़ा, जांच में जुटी पुलिस

मेरठ। मेरठ के खरखौदा थानाक्षेत्र में रविवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब नाले के किनारे एक संदिग्ध बोरा पड़ा मिला। लोगों ने पुलिस को सूचना दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने बोरे की जांच की तो उसके अंदर एक महिला का शव बरामद हुआ। महिला के शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद महिला के शव की पहचान कराने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। वहीं अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया।जानकारी के अनुसार बिजली बंबा चौकी क्षेत्र के जमना नगर क्षेत्र में गैस गोदाम वाली गली के पास रविवार सुबह नाले के किनारे कुछ राहगीरों ने एक संदिग्ध बोरा देखकर पुलिस को सूचित किया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाया।

निशुल्क शिविर में जांचा गया स्वास्थ्य, दी गई दवाएं

प्रयागराज । भारत विकास परिषद् मंगलम् द्वारा एलआईसी कॉलोनी, टैगोर टाउन मां काली मंदिर परिसर में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 195 मरीजों का सफल परीक्षण किया गया। उन्हें निशुल्क दवाएं वितरित की गई तथा समुचित चिकित्सकीय सहायता एवं परामर्श दिया गया।चर्म रोग, आंख, कान, नाक संबंधित रोग तथा बी.पी एवं शुगर की जांच तथा नेत्र रोग से संबंधित आंख के पावर की जांच की गई। इस चिकित्सा शिविर में सेवाएं देने वाले डॉक्टर नाक–कान–गला विशेषज्ञ डॉ. सियाराम सिंह, फिजीशियन डॉ. डी. के. पटवा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ पंकज यादव एवं अन्य प्रख्यात डॉक्टर उपस्थित रहे और अपनी सेवाएं दिए ।भारत विकास परिषद मंगलम के अध्यक्ष नागेंद्र सिंह ने बताया कि शहर के हर पिछड़े और उपेक्षित क्षेत्र में परिषद का सचल चिकित्सा वाहन जाकर मेडिकल कैंप का आयोजन करता है तथा निशुल्क दवा वितरण एवं चिकित्सा की जाती है। मुख्य रूप से उपस्थित कमलाकांत पांडे, संरक्षक शिव नंदन गुप्ता, नागेंद्र जायसवाल, जितेंद्र कुमार, अमित श्याम , सौरभ भदोरिया, जानवी मिश्रा, रविंद्र साहू तथा शाखा के अनेक सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित होकर अपनी सेवाएं दी। कार्यक्रम का संचालन आशीष गुप्ता ने किया तथा अध्यक्ष नागेंद्र सिंह ने सभी डॉक्टर एवं स्वयं सेवकों को इस पुनीत कार्य में विशेष सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्कूल मैनेजर ने टेबल पर लिटाकर छात्र को पीटा, तड़पता रहा मासूम

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । प्रयागराज में होमवर्क न करने से नाराज टीचर ने आठ साल के छात्र की पिटाई कर दी। इसका वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि बच्चे को टेबल पर लिटा कर बेंत से पीटा जा रहा है। इसमें साफ दिख रहा है कि छात्र तड़प रहा है और चीख रहा है। मगर, टीचर दोबारा ऐसा गुनाह न करने की सजा के तौर पर बेंत पर बेंत मार रहा है।हालांकि इस मामले में परिजनों ने कोई भी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया है। घटना मेजा थाना क्षेत्र के खानपुर के मां गंगा पब्लिक स्कूल की है।मां गंगा पब्लिक स्कूल का यह वीडियो चार महीने पुराना बताया जा रहा है। बच्चे को पीटने वाले आरोपी खुद स्कूल के मैनेजर योगेश गुप्ता हैं। जब घरवालों को वीडियो किसी ने भेजा, तब पता चला कि उनके बच्चे को स्कूल मैनेजर ने पीटा है। घरवालों ने कपड़ा खोल कर देखा तो बच्चे की कमर पर अभी भी काले का निशान पड़े हुए हैं। उनका 8 साल का बेटा कार्तिकेय केशरी मां गंगा पब्लिक स्कूल में कक्षा–1 में पड़ता है।कार्तिकेय की मां ने विद्यालय प्रबंधक को फोन कर कहा कि अगर बच्चा नहीं पड़ेगा तो क्या आप उठाकर उसे पटक देंगे। हम फीस किसी बात की देते हैं। अगर हमारा बच्चा नहीं समझता है तो आप उसे समझाएंगे या मारेंगे। हम 2 महीने से आपकी शिकायत सुन रहे हैं। स्कूल के बच्चे बताते हैं कि आप किस तरह से मारते हैं। बच्चे को टेबल पर लिटा कर इतना मारा है कि उसकी पूरी कमर लाल हो गई है। बच्चों को ऐसे मारा जाता है क्या? आप अपने बच्चे को भी ऐसे ही मारते हैं। आप बच्चों को इतना मारते हैं इसलिए बच्चे स्कूल नहीं जाना चाहते हैं।

कार्तिकेय की मां ने कहा कि अगर मेरा बच्चा नहीं समझ पाएगा तो क्या आप उसे उठाकर पटक देंगे? हमारे पास कार्तिकेय को पीटते हुए आप का वीडियो है।प्रबंधक कहते हैं कि अभी मैं कार्यक्रम में हूं। पूछ लिया करिए कि कौन कहां पर है तब बात किया करिए। इस पर कार्तिकेय के पिता कहते हैं कि आप मंत्री थोड़ी न हैं।प्रबंधक ने परिजनों से कहा कि बच्चों को घर में बैठा कर रखों, स्कूल कल से मत भेजना। आप बच्चों की फीस देंगे नहीं। इसके बाद परिजनों ने कहा कि एडवांस फीस थोड़ी ना हम देंगे। फीस नहीं देंगे तो क्या बच्चों को मारेंगे। इस पर प्रबंधक ने कहा कि आपको फीस न देना पड़े इसलिए आप यह आरोप लगा रहे हैं कि हमने बच्चों को मारा है।मेजा इंस्पेक्टर ज्ञानेश्वर मिश्रा ने कहा कि वायरल वीडियो के बारे में जानकारी मिली है। इस मामले में छात्र के परिजनों की तरफ से कोई शिकायत नहीं मिली है। छात्र के पिता से मामले की जानकारी ली है।उन्होंने कार्रवाई से मना कर दिया है। फिर भी वीडियो के आधार पर अभी जांच की जा रही है। प्रबंधक योगेश गुप्ता ने पुलिस को बताया कि परिजनों ने ही कहा था कि यह स्कूल नहीं जाना चाहता आप उसे दंडित कीजिए।

थाना फाफामऊ पुलिस द्वारा अवैध रूप से हुक्काबार का संचालन करते,पीते हुए 04 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । थाना फाफामऊ पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर कैफे कनेक्शन रेस्टोरेन्ट शांतिपुरम गद्दोपुर रोड में अवैध रूप से हुक्काबार का संचालन करते ,पीते हुए 04 अभियुक्त 1.सम्मान शुक्ला पुत्र मुकेश शुक्ला निवासी मलाक हरहर थाना फाफामऊ जनपद प्रयागराज उम्र 19 वर्ष, 2.अब्दुल रहमान पुत्र मो0 साहिन अहमद निवासी 59/60 बद्री आवास मेहदौरी तेलियरगंज थाना शिवकुटी जनपद प्रयागराज उम्र 23 वर्ष 3. मो0अल्फाज पुत्र मो0 इजाजुद्दीन निवासी 4ए/9ई /1ए म्योराबाद थाना कैन्ट जनपद प्रयागराज उम्र 22 वर्ष, 4.अदनान रहमान अंसारी पुत्र अब्दुल रहमान अंसारी निवासी निकट निरंजन पी0सी0ओ0म्योराबाद थाना कैन्ट जनपद प्रयागराज उम्र 21 वर्ष को गिरफ्तार किया गया तथा मौके से हुक्का व हुक्का के साथ उपयोग मे लायी जाने वाली अन्य सामग्री बरामद की गयी । उक्त गिरफ्तारी,बरामदगी के सम्बन्ध में थाना फाफामऊ में मु0अ0सं0 33/23 धारा 04/07/21 सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम 2003 पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण–1.सम्मान शुक्ला पुत्र मुकेश शुक्ला निवासी मलाक हरहर थाना फाफामऊ जनपद प्रयागराज, उम्र19 वर्ष 2.अब्दुल रहमान पुत्र मो0 साहिन अहमद नि0 59/60 बद्री आवास मेहदौरी तेलियरगंज थाना शिवकुटी प्रयागराज उम्र 23 वर्ष 3. मो0 अल्फाज पुत्र मो0 इजाजुद्दीन निवासी4ए/9ई/1ए म्योराबाद थाना कैन्ट जनपद प्रयागराज, उम्र 22 वर्ष 4. अदनान रहमान अंसारी पुत्र अब्दुल रहमान अंसारी नि0 निकट निरंजन पी0सी0ओ0म्योराबाद थाना कैन्ट जनपद उम्र 21 वर्ष बरामदगी का विवरण – 05 अदद हुक्का, 05 अदद पाईप, 24 अदद डिब्बा विभिन्न फ्लेवर तम्बाकू, 05 अदद चारकोल , 1000 ग्राम फ्लेवर्ड पाउडर पैकेट बरामद गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–1. उ0नि0 विश्वेन्द्र कुमार यादव , उ0नि0 बृजेश कुमार यादव , उ0नि0 राजकुमार यादव , उ0नि0 विनय कुमार यादव , हे0का0 सूर्य नारायण कुशवाहा , का0 सर्वजीत कुमार, का0 लोकेश सिंह थाना फाफामऊ पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज ।

विद्या स्कूल ऑफ बिजनेस में संपन्न हुआ संवाद कार्यक्रम

मेरठ। बागपत रोड स्थित विद्या नॉलेज पार्क के विद्या स्कूल ऑफ बिजनेस में संवाद नाम से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें एचआर सेक्टर के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने एमबीए के विद्यार्थियों को एचआर इंस्ट्री की चुनौतियों, नई प्रवृतियों और नवाचार की व्यावहारिक जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि आत्मविश्वास, अच्छी तैयारी और उत्कृष्ट संवाद कौशल के बल पर आप किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। विद्या नॉलेज पार्क के विद्या स्कूल ऑफ बिजनेस में शनिवार को एचआर प्रैक्टिसेज पोस्ट कोविड–19रू प्रभाव, चुनौतियां और नवाचार विषय पर संवाद आयोजित किया गया। विद्या स्कूल ऑफ बिजनेस की निदेशिका एवं कार्यक्रम संयोजिका डा. वसुधा शर्मा ने मुख्य अतिथि व वक्ता जेनपैक कंपनी के भुपेंदर सिंह नैयर, मल्टीप्लायर्स रियलकॉन प्रा.लि. की वरिष्ठ एचआर मैनेजर अलयुम्रा खान और फ्लेन्टिस कारपोरेशन की एचआर मैनेजर जुबिया परवीन का स्वागत पौध भेंट कर किया। सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और विद्यागान से हुआ।संवाद में सबसे पहले मुख्य वक्ता भुपेंदर सिंह नैयर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि आप स्मार्ट युग में जी रहे हैं और सफलता के लिये आपको भी स्मार्ट बनना होगा। आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिये नौकरी करनी है तो तैयारी बहुत जरूरी है। समय, बाजार और कंपनी की जरूरत के अनुसार स्वयं को तैयार करना होगा। अपने डर पर काबू पाना होगा। भाषा की बाधा को दूर करना होगा। साथ ही आप जो कर रहे हैं, उस पर गर्व करना सीखें। मायने यह नहीं रखता कि काम कितना छोटा है या बड़ा, मायने यह रखता है कि आप काम को कितना महत्व देता हैं। अपने सवालों से जुझना होगा, खुद को बदलना होगा। वहीं अलयुम्रा खान ने कहा किया हरेक समस्या के साथ समाधान भी जुड़ा होता है। आप समाधान तलाश कीजिये। जिस कंपनी में जाना है, उस कंपनी के बारे में पूरी जानकारी लें।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।